A Daily News Magazine
इंदौर
शुक्रवार, 27 दिसंबर, 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 88, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

त्वरित टिप्पणी
विनोद तिवारी
संपादक

आर्थिक सुधारों के पुरोधा का अवसान

भारत में आर्थिक सुधारों के पुरोधा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का दुनिया ए फ़ानी से कूच कर जाना भारत और विश्व के आर्थिक जगत को ऐसी क्षति है जिसकी पूर्ति निकट भविष्य संभव नहीं है। मनमोहन सिंह भले ही कांग्रेस की सरकार में पहले वित्त मंत्री और फिर बाद में देश के प्रधानमंत्री बने, लेकिन उन्होंने वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री दोनों ही जिम्मेदारियां के रूप में देश को आर्थिक तरक्की के नए आयाम तक पहुंचाया। डॉ मनमोहन सिंह ने भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर और योजना आयोग के अध्यक्ष के रूप में काफी बेहतर काम किया इसी को ध्यान में रखते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने उनकी सेवानिवृत्ति के बाद भारत के वित्त मंत्री के रूप में उनकी उपयोगिता को स्थापित किया। नरसिम्हा राव के शासनकाल में देश में काफी आर्थिक चुनौतियां थी, जिन्हें मनमोहन सिंह ने अपनी कार्य क्षमता से बखूबी मुकाबला किया और देश को आर्थिक संकट से उबारा । और वही यह दौर था जब भारत ने विश्व पटल पर आर्थिक महाशक्ति बनने की नींव रखी। आज भारत की अर्थव्यवस्था देश के विश्व के टॉप 10 देशों में होती है । भारत की इस

मजबूत आर्थिक स्थिति में डॉ मनमोहन सिंह ये योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मितभाषी कम बोलने वाले लेकिन आर्थिक मुद्दों पर सदैव पैनी नजर रखने वाले मनमोहन सिंह ने देश को आर्थिक उदारीकरण के माध्यम से नया मुकाम दिया । प्लैनिंग कमिशन में रहने के दौरान उन्होंने देश में ऐसी योजनाओं को आगे बढ़ाया जिससे देश में स्थाई आर्थिक सुधार हो सकें। विश्व स्तरीय अर्थशास्त्री के रूप में अपनी पहचान कायम करने वाले डॉक्टर मोहन सिंह दूरदर्शी व्यक्तित्व के धनी थे और यही कारण है के जब-जब भी देश पर गंभीर आसन्न आर्थिक संकट की स्थिति बनी उन्होंने बखूबी मुकाबला किया और देश को आर्थिक संकट से न सिर्फ उबारा बल्कि देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया। जब पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय मंदी का दौर चल रहा था, उस समय भारत पर बड़ा दबाव था कि भारतीय बाजार विदेशी कंपनियों के लिए खोले जाएं , तब डॉ मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री के तौर पर सख्त कदम उठाए और स्पष्ट रूप से इस दबाव को नकारते हुए वैश्विक बाजार के लिए देश के दरवाजे नहीं खोले थे। जिसका फायदा भारतीय कंपनियों को मिला । और यही कारण है कि वैश्विक बंदी के दौर में भी भारत की कंपनियां अपने पैरों पर खड़ी रही और किसी तरह की आर्थिक संकट में नहीं आई। इसके अलावा डॉ मनमोहन सिंह ने 2030 तक भारत को विश्व की पांचवी आर्थिक महाशक्ति बनाने का आवाहन भी किया था जो आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता में है। हालांकि नरेंद्र मोदी ने 2030 तक पांचवें के स्थान पर तीसरे स्थान पर भारत की आर्थिक स्थिति को लाने की बात कही है, लेकिन इतना तो तय है कि वे डॉ मनमोहन सिंह के विजन को ही आगे बढ़ा रहे हैं। डॉ मनमोहन सिंह जननेता तो नहीं थे, लेकिन सफल कर्मयोगी थे। उन्होंने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों पर कभी कोई टिप्पणी नहीं की, बस काम की धुन में लगे रहते थे। प्रधानमंत्री रहने के दौरान कई बार ऐसे मौके आए जब पार्टी और सरकार के बीच असहमति की स्थिति भी बनी, लेकिन उन्होंने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। पूरा विश्व उन्हें एक सफल अर्थशास्त्री और भारत उन्हें देश के आर्थिक निर्मता के रुप में हमेशा याद करेगा।

मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में निधन, दिल्ली के एम्स में आखिरी सांस ली

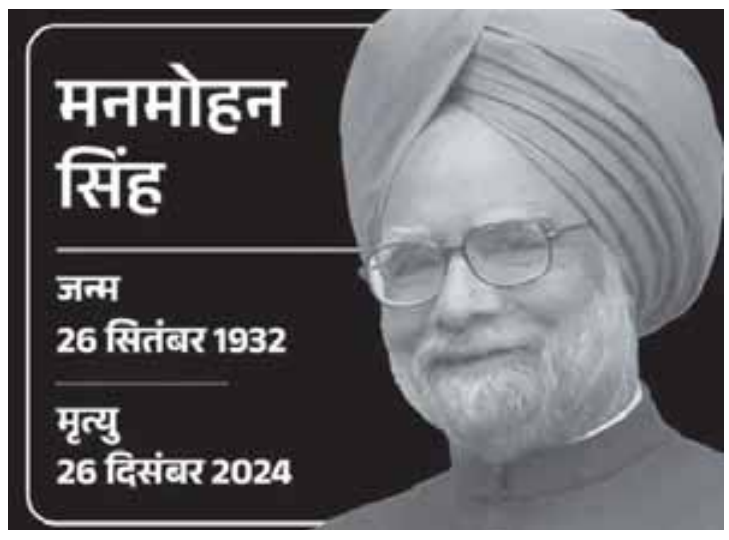

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर को गुरुवार को देर रात 9.51 मिनट पर 92 साल की उम्र में निधन हो गया। इस बीच, कर्नाटक के बेलगावी में चल रही कांग्रेस वर्किंग कमेटी मीटिंग रद्द कर दी गई थी। साथ ही 27 दिसंबर को होने वाले सभी प्रोग्राम भी कैंसिल कर दिए गए हैं। राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बेलगावी से दिल्ली रवाना हो गए थे।देर रात सोनिया गांधी, प्रियंका, समेत कई कांग्रेस नेता एम्स पहुँच गए थे। उनके निधन से देशभर में शोक लहर दौड़ गई।.प्रधानमंत्री मोदी समेत भाजपा के नेतागण ने उनके निधन प र गहरा दुख व्यक्त किया है।

आरबीआई के गवर्नर भी रह चुके हैं मनमोहन-डॉ. मनमोहन सिंह शांत और अपने सरल स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। यही वजह है कि उनकी पार्टी के राजनीतिक विरोधी भी उनका सम्मान करते हैं।पूर्व पीएम राजीव गांधी की सरकार में वह 1985 से 1987 तक भारतीय योजना आयोग के प्रमुख के पद पर भी रहे। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के साथ भी काम किया।

इसके अलावा वह 1982 से 1985 तक भारतीय

रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर भी रहे। इस दौरान उन्होंने बैंकिंग क्षेत्र में कई सुधार किए। जिसके लिए उन्हें आज भी याद किया जाता है।

रॉबर्ड वाड्रा ने एक्स पर पूर्व पीएम के निधन की लिखी बात- रॉबर्ट वाड्रा ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के निधन के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। हमारे राष्ट्र के प्रति आपकी सेवा के लिए धन्यवाद। देश में आपके द्वारा लाई गई आर्थिक क्रांति और प्रगतिशील बदलावों के लिए आपको हमेशा याद किया जाएगा।

आर्थिक सुधारों में अहम रोल

डॉ. मनमोहन सिंह ने देश में हुए आर्थिक सुधारों में अहम रोल निभाया था। वह साल 1991 में पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री भी रहे। उन्होंने बजट के दौरान उदारीकरण, निजीकरण और वैश्विकरण से जुड़े कई ऐलान किए थे, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिली। मनमोहन सिंह को साल 1987 में भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से नवाजा गया। इसके अलावा उन्हें 1995 में जवाहरलाल नेहरू बर्थ सेंटेनरी अवॉर्ड ऑफ द इंडियन साइंस कांग्रेस, 1993 में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी अवॉर्ड, 1956 में कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी का एडम स्मिथ पुरस्कार जैसे कई सम्मान से सम्मानित किया गया है। इसके साथ ही उन्हें कैम्ब्रिज और ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी सहित कई विश्वविद्यालयों की ओर से मानद उपाधियां दी गई।

मनमोहन सिंह का अकादमिक और राजनीतिक सफर

* 1957 से 1965- चंडीगढ़ के पंजाब विश्वविद्यालय में अध्यापक बने।
* 1969 से 1971- दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के प्रोफेसर रहे।
* 1976- दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में मानद प्रोफेसर बने।
* 1982 से 1985- भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे।
* 1985 से 1987- योजना आयोग के उपाध्यक्ष रहे।
* 1990 से 1991- प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार रहे।
* 1991- नरसिंहराव सरकार में वित्त मंत्री बने।
* 1991- पहली बार असम से राज्यसभा के सदस्य बने।
* 1996- दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में मानद प्रोफेसर बने।
* 1999- दक्षिण दिल्ली से लोकसभा का चुनाव लड़ा लेकिन हार गए।
* 2001- तीसरी बार राज्यसभा सदस्य बने और सदन में कांग्रेस की ओर से विपक्ष के नेता बने।
* 2004 से 2014- भारत के प्रधानमंत्री रहे।
* 2019-2024 छठी बार राज्यसभा के सदस्य रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

उज्जैन में क्षिप्रा किनारे बनेगा 29 किमी लंबा घाट

● म.प्र. में खुद बना सकेंगे ऑनलाइन जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र,गलत जानकारी दी तो सजा मिलेगी ● 11 के.वी. फीडर्स को सौर ऊर्जा से ऊर्जीकृत किये जाने की स्वीकृति ● संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल नदी लिंक परियोजना का हुआ प्रशासकीय अनुमोदन ● मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2024 लागू किये जाने की स्वीकृति

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक गुरूवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2024 लागू किये जाने की स्वीकृति दी है। महा-रजिस्ट्रार कार्यालय, भारत सरकार से प्राप्त प्रारूप नियम के अनुरूप मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2024 तैयार किया गया है। इसके अंतर्गत मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 1999 की विभिन्न धाराओं में संशोधन किया गया है। मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम, 2024 के मुख्य बिंदुओं में जन्म और मृत्यु प्रमाण-पत्र के डिजिटल रजिस्ट्रीकरण और इलेक्ट्रॉनिक परिदान का उपबंध, रजिस्ट्रीकृत जन्म और मृत्यु का राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय डाटाबेस तैयार करना, दत्तक ग्रहण किये गये, अनाथ, परित्यक्त, सरोगेट बच्चे और एकल माता-पिता या अविवाहित माता से बच्चे के रजिस्ट्रीकरण प्रक्रिया को सुगम बनाया जाना आदि शामिल है।

जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2023 के प्रारंभ की तारीख को या उसके पश्चात् जन्म लेने वाले किसी व्यक्ति के जन्म की तारीख और स्थान को प्रमाणित करने के लिए जन्म प्रमाण-पत्र उपयोगी है। किसी आपदा या महामारी में मृत्यु के त्वरित रजिस्ट्रीकरण और प्रमाण पत्र जारी करने के लिये विशेष 'उप-रजिस्ट्रार' की नियुक्ति का उपबंध किया गया है। किसी जन्म या मृत्यु के 30 दिन के पश्चात् किंतु एक वर्ष के भीतर विलंबित सूचना की दशा में नोटरी या राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी के समक्ष किसी शपथ-पत्र के स्थान पर स्व-अनुप्रमाणित दस्तावेज को प्रस्तुत करने का उपबंध किया गया है। किसी जन्म या मृत्यु के एक वर्ष के पश्चात् रजिस्ट्रार को विलंबित सूचना की दशा में आदेश करने वाले प्राधिकारी प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के स्थान पर जिला मजिस्ट्रेट या उपखंड मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट द्वारा प्राधिकृत कार्यपालक मजिस्ट्रेट का उपबंध किया गया है।

अन्य निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा आयुष विभाग के अंतर्गत संचालित शासकीय और स्वशासी आयुर्वेद/ यूनानी/ होम्योपैथी के 9 महाविद्यालयों में स्नातक प्रशिक्षु (इंटर्नशिप) एवं स्नातकोत्तर अध्येताओं की शिष्यवृत्ति एवं गृह चिकित्सकों के समेकित वेतन की वृद्धि को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक से जोड़े जाने की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की है।

● **प्रदेश में स्थापित 11 के.वी. फीडर्स को सौर ऊर्जा से ऊर्जीकृत किये जाने की स्वीकृति** -मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के कृषकों की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रदेश में स्थापित 11 के.वी. फीडर्स को सौर ऊर्जा से ऊर्जीकृत (सोलराईजेशन) किये जाने की स्वीकृति दी गई। इसके क्रियान्वयन से किसान को सिंचाई के लिये दिन में बिजली उपलब्ध होगी, जिससे उनकी जीवन शैली व्यवस्थित हो सकेगी। सौर संयंत्र से 33/11 किलोवॉट विद्युत वितरण उप केन्द्रों पर स्थापित पॉवर ट्रांसफार्मर पर ओवर-लोडिंग और परिणामतः लो-वोल्टेज एवं पावर कट की समस्या कम होगी।

● **जनजातीय क्षेत्रों में धरती आबा-जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान प्रारंभ करने की सैद्धांतिक स्वीकृति** मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ऊर्जा, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, आयुष, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार, कृषि विभाग, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास, पशु पालन एवं डेयरी, पर्यटन एवं जनजातीय कार्य विभाग की चिन्हित योजना में शत-प्रतिशत सेचुरेशन के लिए नवीन योजना धरती आबा-जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान प्रारंभ करने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

सत्तर फीट ऊंचे टावर से गिरे मजदूर, 4 की मौत

● सीधी में हाईटेंशन लाइन का काम कर रहे थे; 5 गंभीर रूप से घायल

सीधी (नप्र)। सीधी में हाईटेंशन लाइन का 70 फीट ऊंचा टावर टूटने से 2 भाइयों समेत 4 लोगों की मौत हो गई। घटना गुरुवार दोपहर 12.30 बजे की है। टावर के ऊपर काम रहे 9 मजदूर अचानक नीचे गिर गए। 5 गंभीर घायलों को रीवा जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

सीधी जिले के जेपी नगरी पावर प्लांट से सतना तक बिजली लाइन डाली जा रही है। रामपुर नैकिन जनपद पंचायत के पटेहरा गांव में इसका काम चल रहा था। इसी दौरान ये हादसा हो गया।

मरने वाले दोनों भाई पश्चिम बंगाल के रहने वाले

हादसे में जान गंवाने वाले दोनों सगे भाइयों के साथ तीन अन्य घायल पश्चिम बंगाल के हापुड़ जिले के रहने वाले हैं। रामपुर नैकिन थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी ने बताया कि हादसा किस वजह से हुआ इसकी जांच की जा रही हैं।

वीर बाल दिवस, देश-धर्म और समाज के लिए बलिदान होने की अद्वितीय घटना है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'वीर बाल दिवस' पर दिन की शुरूआत हमीदिया रोड के गुरुद्वारे में मत्था टेककर, साहिबजादों के बलिदान के स्मरण के साथ की। उन्होंने गुरबाणी का श्रवण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'जो बोले सो निहाल-सत् श्री अकाल' के उद्घोष के साथ अपना संबोधन आरंभ करते हुए कहा कि आज का दिन भारत ही नहीं, संपूर्ण विश्व के लिए विशेष है। गुरु गोविंद सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन, धर्म-समाज और देश के लिए समर्पित कर दिया। ऐसे महान व्यक्तित्व का यह सौभाग्य था कि उनके परिवार ने भी स्वयं को देश पर बलिदान किया। यह इतिहास की अद्वितीय घटना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने करतारपुर साहब के दर्शन की व्यवस्था और आज के दिन को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने जैसी अनेकों सौगातें समाज को प्रदान की हैं।

सुप्रभात

माँ तो अनपढ़ थी लेकिन
दुनिया की बात बताती थी
चाँद सितारे जंगल मिट्टी
आँगन तक आती थी
माँ तो अनपढ़ थी लेकिन
'माँ' कहना मुझे सिखाती थी
'क' से कबूतर 'ल' से लड़की
माँ से ही तो सीखा था
घर बाहर का गणित लगाते
माँ को मैंने देखा था
तीज और त्यौहार वो सारे
उंगली में गिन लेती थी
खरी बहुत थी लेन देन की
आना भी सोच के देती थी
बाबूजी का पैसा रूपया
कितना कैसे आता था
बजट बनाती वैसा घर का
कुछ कमता न बढ़ जाता था
माँ तो अनपढ़ थी लेकिन
शिक्षा का मोल बताती थी
दुनिया देश की सारी बातें
आधी समझ वो पाती थी
अपने भीतर तोल मोल फिर
पूरा हमें बताती थी
सोना,चाँदी, तोला आना
रत्ती, भार कहाँ कितना
हमको तो ये ज्ञान सदा ही
रहा यहाँ न के जितना
पर माँ को समझ सब आता था
क्या कैसे तौला जाता था
सारे बही और सब खाते
बेबस माँ के आगे थे
फटा कटा सब सिल देती
करुणा के पावन धागे थे
माँ तो अनपढ़ थी लेकिन
घर की सरकार चलाती थी।

- प्राची मिश्रा

पेट्रोल पंप का मालिक निकला पंचायत सचिव

लोकायुक्त छापे में टाइल्स की दुकान भी मिली; 3 ठिकानों पर सर्चिंग

आष्टा (नप्र)। शुजालपुर सब-डिवीजन की कालापीपल तहसील में पंचायत सचिव मुरलीधर शर्मा के तीन ठिकानों पर लोकायुक्त ने छापेमारी की है। गुरुवार तड़के 5 बजे से 12 लोगों की टीम आष्टा समेत बमुलिया मुछाली और कालापीपल में कार्रवाई कर रही है। अब तक की जांच में शर्मा के पास टाइल्स की दुकान, आलीशान घर और आष्टा में एक पेट्रोल पंप होने की जानकारी सामने आई है। पंचायत सचिव मुरलीधर शर्मा ग्राम पंचायत देहरी घाट डोडी में लंबे समय तक पदस्थ रहे हैं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 18 °c
न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 27 दिसंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

नर-पिशाचों का तांडव, काली का दिखा रौद्र रूप

● संत के सीने पर ईंट रख हथौड़े से तोड़ी, हाथी-घोड़े पर साधुओं की धमक

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज के महाकुंभ मेले में 26 दिसंबर को श्रीपंच अग्नि अखाड़े का छावनी प्रवेश हुआ। 36 साल बाद पेशवाई माफिया अतीक के गढ़ माने जाने वाले शहर पश्चिम से होकर गुजर रही है। कई राज्यों से पहुंचे करीब एक हजार साधु-संत खुल्दाबाद चौफटका से निकलकर 13 किमी शहर भ्रमण करते हुए महाकुंभ में प्रवेश किया। साधु-संत और नागा सन्यासी हाथी-घोड़े पर

सवार होकर निकले हैं। सड़क किनारे खड़े लोग उन पर फूल बरसा रहे हैं। हर-हर महादेव और हर-हर गंगे का उद्घोष गूंज रहा है। छावनी प्रवेश यात्रा में आगे अखाड़े का धर्म ध्वजा लेकर संत चल रहे हैं। इसके बाद अखाड़े के 5 महामंडलेश्वर और एक आचार्य महामंडलेश्वर बग्घी पर सवार हैं। महाकुंभ में यह चौथा अखाड़ा प्रवेश कर रहा है। इससे पहले 22 दिसंबर को पंचदशनाम आह्वान अखाड़ा, 13 दिसंबर को श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा और किन्नर अखाड़े ने प्रवेश किया था। यात्रा में अखाड़े से जुड़े शिव बाराती नर-पिशाचों के रूप में तांडव कर रहे हैं। मां काली के रूप में कलाकार अपना रौद्र रूप दिखा रहे हैं। परशुराम सेना के लोग जमीन पर लेट गए।

36 साल बाद अतीक के इलाके से निकली पेशवाई

शाहगंज के नखास कोना की ओर से पेशवाई गुजरी तो यहां के लोग गदगद नजर आए। इस मौके पर वहां के लोगों की खुशी का राज जानना चाहा तो कैमरे पर उन्होंने बताया- करीब 36 साल बाद इस इलाके से पेशवाई निकल रही है। अतीक का नाम लिए बिना इन लोगों ने कहा कि पहले यहां बदमाशी चलती थी। लूटपाट होती थी। पहले की सरकारें ऐसा भव्य आयोजन नहीं होने देती थीं। शाहगंज के नखास कोना में प्रदीप चौरसिया की पान की दुकान है। प्रदीप ने कहा- पहली बार देखने को मिल रहा कि इधर से पेशवाई निकल रही है।

संक्षिप्त समाचार

अब तक खरीदी गई 21 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान

● समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 20 जनवरी तक

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक 3 लाख 22 हजार 89 किसानों से 21 लाख 22 हजार 901 मीट्रिक टन धान की खरीदी उपार्जन केन्द्रों में हो चुकी है। धान की खरीदी के लिये 1393 उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं। धान का उपार्जन 20 जनवरी 2025 तक किया जायेगा। धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रूपये और धान ग्रेड-ए का 2320 रूपये है। धान की खरीदी जिला पन्ना में 58,454, दमोह 39,670, सागर 7459, शहडोल 1 लाख 1 हजार 43, अनूपपुर 46,208, उमरिया 62,732, रीवा 2 लाख 17 हजार 77, सतना 2 लाख 35 हजार 687, सिंगरौली 80,259, सीधी 60,754, मऊगंज 54,919, मैहर 79,120, सीहोर 13,100, रायसेन 17,536, विदिशा 676, नर्मदापुरम 78,046, बैतूल 20,725, हरदा 349, कटनी 2 लाख 21 हजार 154, बालाघाट 2 लाख 75 हजार 776, मंडला 1 लाख, 9 हजार 759, नरसिंहपुर 45,363, सिवनी 1 लाख 13 हजार 95, जबलपुर एक लाख 60 हजार 922, डिंडोरी 17,699, छिंदवाड़ा 4719, भिण्ड 398, शिवपुरी 138, अलीराजपुर 47 और झाबुआ जिले में 17 मीट्रिक टन की जा चुकी है।

सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से टली दुर्घटना

भोपाल। मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में आज भोपाल रेलवे स्टेशन पर रेलवे कर्मचारियों की सतर्कता और प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से संभावित दुर्घटना को सफलतापूर्वक टाल दिया गया। सुबह 11:15 बजे प्लेटफॉर्म नं. 02 के ट्रैक पर रेल फ्रैक्चर (पटरी टूटने) की घटना सामने आई। रेलवे वेंडर श्री जितेंद्र ने इसे सबसे पहले देखा और तुरंत उप-स्टेशन अधीक्षक (वाणिज्य) श्री जावेद अंसारी को सूचित किया। श्री अंसारी ने तत्काल स्टेशन प्रबंधक श्री आर. के. मिश्रा और वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी। रेलवे प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए इंजीनियरिंग टीम को घटना स्थल पर भेजा, जिसने 11:50 बजे तक रेल फ्रैक्चर को ठीक कर दिया। मरम्मत के बाद सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु ट्रैक पर लोकोमोटिव का सफल परीक्षण उपरांत यात्री गाडियों का आवागमन शुरू किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने कहा, भोपाल रेलवे स्टेशन पर कर्मचारियों की सतर्कता और रेलवे प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से हादसा टल गया। यह रेलवे की यात्री सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। रेलवे प्रशासन सतर्क और समर्पित कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करता है और यात्रियों को आश्वस्त करता है कि उनकी सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएंगे।

बीपीएससी छात्रों के समर्थन में उतरे राहुल गांधी

पटना (एजेंसी)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज की निंदा करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार पर निशाना साधा तथा आरोप लगाया कि सरकार की नाकामी को छुपाने के लिए इस कार्य को अंजाम दिया गया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दृष्टिकोण सिर्फ अपनी कुर्सी बचाना है। बीपीएससी की ओर से 13 दिसंबर को आयोजित संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा (पीएससी) के प्रश्न पत्र लीक होने का दावा करने वाले अभ्यर्थियों ने परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर बुधवार को पटना में विरोध-प्रदर्शन किया, जिस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

जम गया पाइप का पानी, 'माइनस' पर पारा

● गुलमर्ग से भी ठंडा रहा श्रीनगर, घरों के अंदर दुबके लोग ● एमपी-यूपी और राजस्थान में ओला-बारिश की चेतावनी

दिल्ली में कोहरे के चलते 18 ट्रेनें लेट, शीतलहर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में शीतलहर जारी है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में पारा 10ए से कम रहा। आईएमडी ने मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हिमाचल के कुछ हिस्सों में ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। बंगाल की खाड़ी से आने वाली हवाओं के कारण मध्य भारत और दिल्ली-एनसीआर में बारिश होगी। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के चलते श्रीनगर में पारा माइनस 6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। श्रीनगर, गुलमर्ग से भी ठंडा रहा। यहां पारा शून्य से 6.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। हालांकि, श्रीनगर में इस सीजन में अब तक बर्फबारी नहीं हुई है। हिमाचल में बर्फबारी के बाद तीन नेशनल हाईवे समेत करीब 134 सड़कें बंद कर दी गई हैं। कोकसर में सबसे ज्यादा 5.6 सेमी बर्फबारी हुई। लाहौल-स्पीति जिले का ताबो सबसे ठंडा रहा। यहां रात का तापमान माइनस 10.6 डिग्री से नीचे रहा। दिल्ली में कोहरे के चलते 18 ट्रेनें लेट हो गई हैं। करीब 100 टूरिस्ट की गाड़ियां फंस गई थीं।

ठंड के मौसम में 'हीटर' ट्रेन चलाने की तैयारी

अपने यात्रियों के लिए नई सुविधा लेकर आया है रेलवे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे ने अपने यात्रियों के लिए नई सुविधा लेकर आई है। यात्रियों को मिली इस खुशखबरी से लंबे समय से चला आ रहा इंतजार भी खत्म होने जा रहा है। रेलवे ने अपने यात्रियों के लिए सर्दियों के मौसम में गर्मी का एहसास दिलाने की तैयारी की है। अब आप बिना ठंड महसूस किए ही बर्फ की वादियों के नजारों का लुत्फ उठा सकते हैं। दरअसल भारतीय रेलवे एसी वाली स्लीपर ट्रेन चलाने जा रही है। इस कोच को गर्म रखने के लिए इक्विपमेंट्स लगे हुए हैं। इसको लेकर सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। ये ट्रेन नए साल में नई दिल्ली से कश्मीर तक चलाया जाएगा। इस ट्रेन को कश्मीर में दहशतगर्दों से बचाने के लिए सुरक्षा का ध्यान रखा गया है। ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि जनवरी 2025 में ये ट्रेन रफ्तार भरेगी। इसके साथ ही जल्दी ही इस ट्रेन के लिए बुकिंग भी शुरू की जाएगी।

सबसे कम उम्र के शतरंज प्लेयर को बाल पुरस्कार

● उम्र 3 साल, पीएम बाल पुरस्कार से सम्मानित हुए 17 बच्चे ● राष्ट्रपति ने किया सम्मानित, पीएम बोले-बेस्ट ही हमारा स्टैंडर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में 17 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। इस बार 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को इस पुरस्कार के लिए चुना गया था। इनमें 7 लड़के और 10 लड़कियां शामिल हैं। बाल पुरस्कार सात कैटेगरी में दिए गए हैं। जिसमें आर्ट एंड कल्चर, बहादुरी, इनोवेशन, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, सोशल वर्क, स्पोर्ट्स एंड एनवॉयरमेंट शामिल है। खेल कैटेगरी से चर्चित नाम 3 साल के अनीश सरकार का है। जो फिडे (वर्ल्ड चेस फेडरेशन) रैंकिंग हासिल करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के शतरंज प्लेयर हैं। उधर पीएम नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित वीर बाल दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेताओं से मुलाकात की। पीएम मोदी ने कहा- अगर हम मैन्यूफैक्चरिंग पर काम करें तो उसमें हम दुनिया में बेस्ट हों। अगर स्पेस सेक्टर में काम करें तो दुनिया में बेस्ट हों। बेस्ट ही हमारा स्टैंडर्ड होना चाहिए। वीर बाल दिवस हमें प्रेरणाओं से भरता है।

उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र तोमर सम्मानित

भोपाल। राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो (एस.सी.आर.बी.), पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा 68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट 2024-2025 के अंतर्गत मध्यप्रदेश पुलिस की राज्य स्तरीय कम्प्यूटर अवेयरनेस प्रतियोगिता का आयोजन पुलिस अकादमी भौंरी, भोपाल में किया गया। जिसमें मध्यप्रदेश पुलिस की राष्ट्रीय स्तरीय कम्प्यूटर अवेयरनेस प्रतियोगिता की टीम ने भाग लिया। इस टीम के उप निरीक्षक-अ धर्मेन्द्र तोमर, प्रशासन शाखा (विधि-2), पुलिस मुख्यालय, भोपाल ने इवेंट-2 ऑफिस ऑटोमेशन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस उपलब्धि पर उन्हें विजय कटारिया, विशेष पुलिस महानिदेशक (प्रशासन), चंचल शेखर, ए.डी.जी.(एस.सी.आर.बी.), श्रीमती रुचिवर्धन मिश्र, डी.जी. (प्रशासन), सतेन्द्र कुमार शुक्ल, डीआईजी (प्रशासन), अनुराग सुजानिया एडीजी शासन), श्रीमती नीतू ठाकुर, एडीजी (कार्मिक) एवं श्रीमती बीना सिंह, एडीजी (विधि-2) ने धर्मेन्द्र तोमर को सम्मानित किया एवं राष्टीय स्तरीय कम्प्यूटर अवेयरनेस प्रतियोगिता की टीम में चयनित होने पर शुभकामनाएं दीं। साथ ही एडीजी विजय कटारिया ने धर्मेन्द्र तोमर को नकद पुरस्कार से भी सम्मानित किया।

प्रमोद भार्गव को मिला नरेश मेहता स्मृति वांग्मय सम्मान

● उच्च शिक्षा मंत्री इंद्र सिंह परमार ने दिया सम्मान

शिवपुरी। मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति हिंदी भवन भोपाल द्वारा दिया जाने वाला वार्षिक अखिल भारतीय नरेश मेहता स्मृति वांग्मय सम्मान लेखक एवं पत्रकार प्रमोद भार्गव को उच्च शिक्षा मंत्री इंद्र सिंह परमार ने हिंदी भवन, भोपाल में आयोजित एक भव्य समारोह में भेंट किया। राष्ट्रभाषा प्रचार समिति द्वारा दिए जाने वाले इस सम्मान में 51 हजार की राशि, प्रशस्ति पत्र, शॉल एवं श्रीफल भेंट किए। यह विशिष्ट सम्मान पुस्तक 'पुरातन विज्ञान' को दिया गया है। इस पुस्तक में पुरातन विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े ऐसे विज्ञान सम्मत लेख हैं, जो पुरातन ज्ञान को आधुनिक विज्ञान से जोड़ते हैं। इन लेखों में दिए तथ्यों की पुष्टि दुनिया भर में हो रहे उन अनुसंधानों से की है, जो विश्व के वैज्ञानिक कर रहे हैं। जिन्हें वैश्विक मान्यता भी मिली है। ये लेख हिंदी की सभी प्रमुख विज्ञान पत्रिकाओं के साथ 'पत्रिका' और 'राजस्थान पत्रिका' के सभी संस्करणों में एक स्तंभ में प्रकाशित भी हुए हैं। भार्गव का इसी विषय पर लिखा उपन्यास 'दशावतार' भी खूब चर्चित हुआ है। इस उपन्यास के अनेक संस्करण तो निकले ही हैं, अंग्रेजी में भी इसका अनुवाद छप चुका है। इस समारोह में समिति के मंत्री संचालक श्री कैलाशचंद्र पंत, पूर्व राज्यसभा सदस्य श्री रघुनंदन शर्मा के साथ दिल्ली से आए वक्ताओं प्रो शरत कुमार सोनी और प्रो शंकर शरण ने सारगर्भित उद्बोधन दिए। शिक्षा मंत्री श्री इंद्र सिंह परमार ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर उल्लेखनीय वक्तव्य दिया। समारोह में बड़ी संख्या में साहित्यकार और पत्रकारों के साथ नगर के प्रबुद्ध नागरिक गण उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने हृदय रोग विभाग के एचओडी डॉ. गुप्ता को दी बधाई

आईएमए के 'नेशनल वेटरन एकेडमिक एक्सीलेंस अवॉर्ड' से हुए सम्मानित

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने भोपाल के हमीदिया अस्पताल में हृदय रोग विभाग के एचओडी डॉ. राजीव गुप्ता को 'नेशनल वेटरन एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित होने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान न केवल डॉ. गुप्ता के व्यक्तिगत समर्पण और उत्कृष्टता का प्रमाण है, बल्कि यह मध्यप्रदेश के चिकित्सा क्षेत्र के लिए भी गौरव का विषय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि डॉ. गुप्ता का योगदान भविष्य में और अधिक लोगों को प्रेरित करेगा तथा प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा। भारतीय चिकित्सा संघ ने मध्यप्रदेश के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राजीव गुप्ता को 'नेशनल वेटरन एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित किया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान चिकित्सा क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान और आधुनिक चिकित्सा के प्रति उनकी निष्ठा का प्रमाण है। यह सम्मान समारोह राष्ट्रीय आईएमए कांफ्रेंस में राष्ट्रीय प्रेसिडेंट डॉ आशोकनद् वारा हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित हुआ, जहां देशभर से चिकित्सा जगत की प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।

प्लेटफॉर्म नं. 6 की तरफ यातायात व्यवस्था में बदलाव

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नं. 6 की तरफ मेट्रो लाइन निर्माण कार्य के कारण यात्री आवागमन को सुगम बनाने के लिए नई योजना लागू की गई है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि मेट्रो निर्माण कार्य के चलते प्लेटफॉर्म नं. 6 स्टेशन बिल्डिंग के बाहर की सड़क से आवागमन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। यात्रियों की सुविधा हेतु रेलवे स्टेशन बिल्डिंग से पार्सल कार्यालय की ओर एक नया प्रवेश और निकास द्वार बनाया गया है।

श्रीलंका-भारत नौसेना अभ्यास-दो चरणों में

भोपाल। भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय नौसेना अभ्यास, एसएलआईएनईएक्स 24 (श्रीलंका-भारत अभ्यास 2024) का आयोजन 17 से 20 दिसंबर तक विशाखापत्तनम में पूर्वी नौसेना कमान के तत्वावधान में दो चरणों में हुआ। बंदरगाह चरण 17 से 18 दिसंबर तक और समुद्री चरण 19 से 20 दिसंबर तक आयोजित किया गया। भारत की ओर से पूर्वी बेड़े के आईएनएस सुमित्रा ने विशेष बल टीम के साथ इसमें भागीदारी की, जबकि श्रीलंका नौसेना की ओर से अपतटीय गश्ती पोत एसएलएनएस सयूरा ने विशेष बल टीम के साथ भाग लिया । अभ्यास का उद्घाटन समारोह 17 दिसंबर को हुआ और उसके बाद हार्बर चरण हुआ, जिसके दौरान प्रतिभागियों ने पेशेवर और सामाजिक आदान-प्रदान किया। 19 दिसंबर को शुरू हुए समुद्री चरण में दोनों नौसेनाओं के विशेष बलों द्वारा संयुक्त अभ्यास, गन फायरिंग, संचार प्रक्रियाएं, नाविक कौशल के साथ-साथ नेविगेशन विकास और हेलीकॉप्टर संचालन सम्मिलित थे। दोनो देशों के मध्य द्विपक्षीय अभ्यासों की एसएलआईएनईएक्स श्रृंखला वर्ष 2005 में प्रारंभ की गई थी और तब से नियमित अभ्यास का आयोजन किया जा रहा है। अभ्यास के वर्तमान संस्करण ने दोनों समुद्री पड़ोसियों के बीच संबंधों को और सशक्त किया है और एक सुरक्षित और नियम-आधारित समुद्री डोमेन बनाने में योगदान दिया है, जिससे भारत सरकार के क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) के संकल्प और दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया जा सके ।

कंटेनर से टकराए बाइक सवार, दो गंभीर

इंदौर (नप्र)। एरोड्रम क्षेत्र में रात के समय तेजी से जा रहे बाइक सवार दो युवक रोड किनारे खड़े कंटेनर से जा टकराए। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। कंटेनर चालक पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक हादसा मंगलवार रात 11.30 बजे छोटा बांगड़दा शकुंतला मार्केट के सामने हुआ। घायलों के नाम संजय सावंत और गौर कोटाल हैं। पुलिस ने फरियादी संजय की रिपोर्ट पर कंटेनर नंबर एचआर 55 एक्स 0791 के चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। युवक उससे जा टकराए। दोनों ने बताया कि हादसे में उनके सिर और चेहरे पर चोट आई है।

इंदौर में मचान गिरने से एक युवक की मौत

दूसरे घायल का उपचार जारी ; सरवटे बस स्टेंड पर एजेंट की मौत

इंदौर (नप्र)। इंदौर के मूसाखेड़ी इलाके में एक क्रिकेट टर्फ पर काम कर रहे दो सगे भाई मचान गिरने से नीचे गिर गए। इस हादसे में चिंटू (25) की मौत हो गई, जबकि उसके भाई विकास का इलाज चल रहा है। आजाद नगर पुलिस ने बताया कि 15 दिसंबर को चिंटू और विकास मूसाखेडी इलाके के एक टर्फ में पेंटिंग का काम कर रहे थे। अचानक मचान गिरने से दोनों भाई नीचे गिर गए और उन्हें ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। चिंटू की हालत बिगड़ने पर उसे एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां रात में उसकी मौत हो गई। विकास को भी सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं, जिसका इलाज जारी है। परिवार के अनुसार टर्फ हेप्पी खनूजा का था, जहां दोनों भाई काम करने गए थे। परिवार ने बताया कि चिंटू की शादी को एक साल ही हुआ था और वह अपने माता-पिता और भाई के साथ रहता था।

सरवटे बस स्टेंड पर मौत

छोटी ग्वालटोली पुलिस के अनुसार, महेश (49), जो पहले कांग्रेस नेता की बस पर ड्राइवर था, सरवटे बस स्टेंड पर बेहोश मिला। उसके सिर में चोटें थीं और उसे एंबुलेंस से एमवाय अस्पताल भेजा गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। महेश के परिवार के अनुसार वह पिछले एक महीने से बस एजेंट का काम कर रहा था और उसकी शादी नहीं हुई थी। परिवार में एक बहन की शादी हो चुकी है और मां भी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, यह पता लगाने के लिए कि महेश को बस ने टक्कर मारी या वह गिरकर घायल हुआ।

इंदौर में मंडी व्यापारी पर चाकू से हमला

हम्माल ने कार हटाने की बात पर किया था विवाद, दोस्त भी घायल

इंदौर (नप्र)। इंदौर के चोइथराम मंडी में एक हम्माल ने बुधवार को सब्जी व्यापारी को चाकू मार दिया। इस घटना का कारण कार हटाने को लेकर हुआ विवाद बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। टीआई नीरज बिरथरे के मुताबिक, चोइथराम मंडी में रोहित बजाज निवासी बंसतपुरी कॉलोनी की 143 नंबर की दुकान है, जहां वह सब्जी का व्यापार करते हैं। बुधवार को गिरधारी मंजे, निवासी ऋषि पेलेस कॉलोनी, यहां पहुंचे। उस समय रोहित बजाज अपनी दुकान पर काम कर रहे थे। गिरधारी ने उनसे कार हटाने की बात की। रोहित ने कहा कि वह कुछ देर रुकेंगे, लेकिन गिरधारी 5 मिनट बाद गुस्से में आ गया और अपशब्द कहे। इसके बाद रोहित के दोस्त धमेंद्र ने गिरधारी को जाने के लिए कहा, लेकिन उसने विवाद करना शुरू कर दिया और चाकू निकालकर रोहित पर हमला कर दिया। चाकू रोहित के गले में लग गया। इस दौरान आसपास भगदड़ मच गई। रोहित के दोस्त धमेंद्र ने उसे पकड़ा तो आरोपी ने धमेंद्र के हाथ पर भी चाकू मारा और भाग गया। लोगों ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह भागने में सफल रहा। बाद में रोहित के जीजा दीपक ने उसे चोइथराम अस्पताल भेजा, जहां उसका इलाज आईसीयू में चल रहा है।

दो नंबर गेट पर हुआ था विवाद

मंडी से मिली जानकारी के मुताबिक, विवाद गेट नंबर 2 पर हुआ था, जो रोहित की दुकान से दूर था। रोहित अपनी कार से आ रहे थे, तभी गिरधारी की गाड़ी उनकी कार से टकरा गई। इससे दोनों के बीच

मंडियों में कपास की आवक कमजोर 11 हजार गांठ की गिरावट

इंदौर (नप्र)। मध्यप्रदेश की अधिकांश मंडियों में कपास की आवक काफी कम हुई है। कपास की आवक में 11 हजार गांठ की कमी आई है। आवक में गिरावट के बावजूद कपास के भाव स्थिर है। हालांकि मांग निकलने से कॉटन सीड में ऊपरी स्तर पर 50 रुपए की तेजी आई है। वही अंतरराष्ट्रीय बाजारों के प्रभाव से 73 और 75 आरडी कॉटन कैंडी में भी तेजी रही। नए कपास की आवक 6000 (-11000) से 7000 (-11000) गांठ (एक गांठ =170 किलोग्राम) की रही। कपास के भाव 6000 से 7300 रुपए प्रति क्विंटल पर स्थिर रहे। कई मंडियां बंद होने और पूछपरख बढ़ने से कॉटन सीड की कीमतों में ऊपरी स्तर पर 50 रुपए की तेजी दर्ज की गई। मप्र में कॉटन सीड 2900 से 3200 (+50) रुपए प्रति क्विंटल रहे। मिलर्स के अनुसार बेहतर क्वालिटी के कपास में मांग बनी हुई है। मप्र में 9 प्रतिशत नमी वाले 73 आरडी कॉटन के भाव अपने पूर्व स्तर के मुकाबले निचले स्तर पर 200 और ऊपर के स्तर पर 300 रुपए बढ़ाकर 52200 (+200) से 52500 (+300) रुपए प्रति कैंडी (1 कैंडी=356 किलोग्राम) पर रहे। वहीं मध्यप्रदेश में 9 प्रतिशत नमीयुक्त 75 आरडी कॉटन के भाव में भी तेजी रही। 75 आरडी कॉटन के भाव निचले स्तर पर 200 और ऊपर के स्तर पर 100 रुपए बढ़ाकर

75 आरडी कॉटन में निचले स्तर पर 700 रुपए तक उछाल

53200 (+200) से 53500 (+100) रुपए प्रति कैंडी पर रहे हैं।

इस सप्ताह के शुरुआती तीन कारोबारी सत्रों के दौरान

75 आरडी कॉटन में निचले स्तर पर 700 और ऊपर के स्तर पर 500 रुपए का उछाल रहा है। वही 73 आरडी कॉटन की कीमतों में निचले स्तर पर 400 और ऊपर के स्तर पर 300 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त आ चुकी है।

मप्र की स्थिति

आवक- 6000 (-11000) से 7000 (-11000) गांठ
कपास (नई)- 6000 से 7300
कॉटन सीड (नया)- 2900 से 3200 (+50) (नमी के अनुसार)
73 आरडी नया (9 फीसदी नमीयुक्त) - 52200 (+200) से 52500 (+300)
75 आरडी नया (9 फीसदी नमीयुक्त) - 53200 (+200) से 53500 (+100)

एमवाय अस्पताल में कैदी ने की खुदकुशी

बाथरूम में फंदे से लटका मिला शव ; सुसाइड नोट में लिखा-मुझे जीने का हक नहीं

इंदौर (नप्र)। इंदौर के एमवाय अस्पताल में विचाराधीन कैदी ने आत्महत्या कर ली। उसे सेंट्रल जेल से इलाज के लिए अस्पताल लाया गया था। गुरुवार सुबह उसका शव बाथरूम में फंदे से लटका मिला। फिलहाल, घटना के कारण का पता नहीं चल सका है। संयोगितागंज पुलिस के मुताबिक, राजस्थान में पाली जिले के नयागांव चापड़ा निवासी महेंद्र (30) रेप के मामले में आरोपी था। उसे 16 नवंबर को इंदौर सेंट्रल जेल भेजा गया था। पेशे से हलवाई महेंद्र को हार्निया की बीमारी थी। उसे इलाज के लिए एक हफ्ते पहले ही एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शव के पास सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें लिखा है- मैं अपनी मर्जी से जान दे रहा हूं। मैंने ऐसा काम किया है कि मुझे जीने का हक नहीं है। सुसाइड नोट में महेंद्र ने अपनी पत्नी का मोबाइल नंबर लिखा है, जिस पर उसे सूचना देने की बात भी लिखी है। पुलिस मौके पर पहुंची और महेंद्र

के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। साथी कैदी ने देखा तो गार्ड को बताया पुलिस ने बताया कि महेंद्र को शुरुआत में ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया था। सेहत सुधरने पर कैदी वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया था। गुरुवार सुबह वह गार्ड को बताकर बाथरूम गया। कुछ देर बाद जब दूसरा कैदी बाथरूम गया तो उसने महेंद्र को फांसी पर लटका देखा। गार्ड को जानकारी दी। इसके बाद अस्पताल का स्टाफ मौके पर पहुंचा।

रातभर दर्द से चिल्लाता रहा- सूत्रों के मुताबिक, बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात महेंद्र को हार्निया का दर्द उठा था। वह रातभर चिल्लाता रहा।

घायलों से मिले महापौर, बोले

तय समय से नहीं हटे तो निगम करेगा कार्रवाई

कांग्रेस को दी नसीहत, 'अपने गिरेबान में देखें'

इंदौर (नप्र)। इंदौर नगर निगम कर्मचारियों पर हुए हमले में घायलों से मिलने गुरुवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कर्मचारियों से मुलाकात कर उनका हाल जाना और उन्हें यह आश्वासन दिया कि नगर निगम उनके साथ खड़ा है। मुलाकात के बाद महापौर ने मीडिया से चर्चा की और कहा- नगर निगम के हमारे कर्मचारी जिन्होंने इंदौर को नंबर वन बनाने में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, कठिन परिस्थितियों में सफाई और रिमूवल की कार्यवाही की है। कल का घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण रही, जब दो बाड़ों पर कई बार सूचना और आदेश देने के बावजूद उन्हें नहीं हटाया गया।

इसके बाद नगर निगम का अमला बाड़े हटाने गया और उसके बाद रास्ते में निगम कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई, जो कि बेहद दुखद है। महापौर ने यह भी कहा- नगर निगम के सभी कर्मचारी और जनप्रतिनिधि अपने कर्मचारियों के साथ खड़े हैं। निगम कमिश्नर भी दिनभर उनके साथ रहे और देर रात ही दोषियों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई। मैं घायल कर्मचारियों से मिलने अस्पताल आया और उन्हें आश्वासन दिया कि नगर निगम उनके साथ है। उनके परिश्रम से इंदौर शहर में सफाई और अनुशासन बनाए रहता है।

घटना में डिले पर महापौर का बयान- महापौर ने आगे कहा कि जो डिले हुआ, वह भी दुर्भाग्यपूर्ण है। हमने सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों से बात की है। कल पुलिस कमिश्नर से भी बात की, क्योंकि जिस प्रकार से कल कार्यवाही में देरी हुई, वह भी चिंता का विषय है।

दूसरे दिन भी छाया कोहरा

रात का तापमान सामान्य से 7 डिग्री अधिक, अगले एक-दो दिन रहेगा ऐसा ही मौसम

इंदौर (नप्र)। इंदौर में लगातार दूसरे दिन भी सुबह कोहरा छाया रहा। गुरुवार सुबह दृश्यता केवल 800 मीटर तक ही सीमित रही। इसके साथ ही सर्दी का असर भी बना हुआ है। वर्तमान में दिन का तापमान सामान्य से 3 डिग्री कम है, जबकि पिछले 24 घंटों में रात के तापमान में 1 डिग्री की वृद्धि हुई है। अभी रात का तापमान सामान्य से 7 डिग्री अधिक है, जो इस सीजन का सबसे ज्यादा तापमान है। इसके अलावा, दिन और रात के तापमान में 8 डिग्री का अंतर बना हुआ है। खास बात यह है कि रात का तापमान अधिक होने के बावजूद सर्दी का असर कायम है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इंदौर में एक-दो दिन ऐसा ही मौसम बना रह सकता है। 27 दिसंबर को

हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। बुधवार को दिन का तापमान 24.3 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 3 डिग्री कम) और रात का तापमान 16.9 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 7 डिग्री अधिक) दर्ज किया गया। इस दौरान अधिकांश समय बादल छाए रहे, साथ ही 13 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। इसके परिणामस्वरूप तापमान में गिरावट आई, जबकि रात का तापमान बढ़ता गया। दरअसल, वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव आया है। इसके कारण रात के तापमान में वृद्धि और दिन में गिरावट देखी गई, जिससे मावठे जैसा मौसम बन गया है। 28 दिसंबर तक ऐसा ही मौसम बना रहने की संभावना है।

वन भूमि को मुक्त कराने 40 बुलडोजर लेकर पहुंचा प्रशासन

500 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे, 10 हजार एकड़ जंगल पर हो गया था कब्जा

बुरहानपुर ।

खंडवा-बुरहानपुर की सीमा पर गुड़ी रेंज के नाहरमाल, हीरापुर गांव में अतिक्रमणकारियों ने पिछले 4 सालों में करीब 10 हजार एकड़ वन भूमि पर कब्जा कर खेती करना शुरू कर दी। इसे रोकने गए वन कर्मियों पर हमले भी हुए। अब इस मामले लेकर खंडवा वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई शुरू की है।

गुरुवार सुबह 9 बजे 40 से अधिक जेसीबी करीब 500 से अधिक अधिकारी, पुलिस फोर्स, खंडवा कलेक्टर, एसपी, एसडीएम, खंडवा-बुरहानपुर के डीएफओ राकेश डामोर सहित टीम मौके पर पहुंचकर कब्जा की गई वन भूमि को मुक्त करा रही है। जेसीबी के माध्यम से यहां खंतियां खोदी जा रही है। साथ ही लंबी नाली भी बनाई जा रही है, ताकि पशु आदि यहां नहीं आ सकें। वन विभाग के सूत्रों के अनुसार, वन विभाग अगले तीन दिन में डेढ़ हजार हेक्टेयर क्षेत्र में खंतियां खोदने, सीपीटी बनाने की तैयारी में है। अगर तीन दिन में यह काम पूरा नहीं होता है तो आगे भी बढ़ाया जा सकता है। करीब एक साल पहले बुरहानपुर जिले के इसी क्षेत्र से लगे घाघरला, नावरा, बाकड़ी, सीवल क्षेत्र में भी इसी तरह वन विभाग, जिला प्रशासन, पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की थी। इसी तर्ज पर अब खंडवा का वन विभाग और जिला प्रशासन यहां जुटा हुआ है।

बुरहानपुर की 8, खंडवा की 11 रेंज की टीम जुटी- इस कार्रवाई में खंडवा, बुरहानपुर की वन विभाग की पूरी टीम जुटी है। इसमें खंडवा की 11 रेंज, बुरहानपुर की 8 रेंज के रेंजर, वनकर्मी जुटे हैं। सुबह 9 बजे से खंती खुदाई का काम चल रहा

है। ड्रोन से भी नजर रखी जा रही है।

इसलिए हो रही कार्रवाई

दरअसल, अतिक्रमणकारियों ने वन विभाग की हजारों एकड़ वन भूमि पर कब्जा कर लिया है। यहां खेती जा रही थी। अतिक्रमणकारियों ने जंगल को मैदान बना दिया है। कार्रवाई के लिए गई वन विभाग की टीम पर हमले भी हुए थे।

साइबर फ्रॉड से परेशान इंदौर के व्यापारी

यूपीआई पेमेंट बंद कर केश क्रेडिट कार्ड से ले रहे पैसा

इंदौर (नप्र)। इंदौर में बढ़ते साइबर फ्रॉड की घटनाओं ने रेडिमेड कपड़ा व्यापारियों को परेशान कर दिया है। हाल ही में एक व्यापारी ने यूपीआई से पेमेंट लेने के बजाय कैश और क्रेडिट कार्ड से पैसे लेने का निर्णय लिया है, और इसकी सूचना दुकानों पर नोटिस के रूप में चस्पा कर दी गई है।

चेक बाउंस गया था- राजवाड़ा क्षेत्र में स्थित पार्थ जैन की रेडिमेड कपड़ों की दुकान पर एक ग्राहक ने यूपीआई के माध्यम से पेमेंट किया और सामान लेकर चला गया। यह पैसा पार्थ के करंट खाते में आया, जिसका उपयोग वे दूसरे व्यापारियों को माल के बदले पेमेंट करने के लिए करते थे। लेकिन, बाद में जब उन्होंने इस खाते से पेमेंट के लिए चेक जारी किया, तो वह बाउंस हो गया, जबकि खाते में चेक अमाउंट से अधिक राशि मौजूद थी।

फ्रॉड के कारण खाता ब्लॉक- पार्थ ने इस स्थिति की जांच की तो पाया कि साइबर फ्रॉड के कारण उनका खाता ब्लॉक कर दिया गया था। असल में, किसी ने फ्रॉड के तहत किसी को पैसे ट्रांसफर किए, और वह पैसा अलग-अलग व्यक्तियों के माध्यम से पार्थ के खाते में आ गया। इस मामले की शिकायत पहले ही हो चुकी थी, जिससे उनके खाते को ब्लॉक किया गया।

यूपीआई से पेमेंट पर सवाल- पार्थ ने बताया कि दुकान पर बैंक का क्यूआर कोड लगा था, जिससे यूपीआई पेमेंट सीधे उनके बैंक खाते में आ जाती थी। इस पैसे से वे दूसरे व्यापारियों को चेक द्वारा भुगतान करते थे। अब, इस घटना के बाद उन्होंने तय किया है कि वे फिलहाल यूपीआई पेमेंट नहीं लेंगे और कैश और क्रेडिट कार्ड से ही भुगतान स्वीकार करेंगे।

कैश में ही व्यापार करने का निर्णय- पार्थ ने कहा, हमने कभी भी नहीं सोचा था कि ऐसा कुछ हो सकता है। यह पूरी तरह से साइबर फ्रॉड का मामला था और हमारी कोई गलती नहीं थी।

भाजपा नगराध्यक्ष की रायशुमारी

ज्यादातर पर्ची में वही 6-7 नाम रिपीट विधायकों की पसंद को ही महत्व

इंदौर (नप्र)। भाजपा नगर अध्यक्ष के चयन को लेकर बुधवार का दिन अहम रहा। दोपहर में 85 से ज्यादा नेता-कार्यकर्ता अध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी में शामिल हुए। 101 नाम अपेक्षित थे, लेकिन कुछ ऐसे भी थे जो नहीं पहुंचे। जावरा कंपाउंड स्थित पार्टी कार्यालय में दोपहर 3 बजे से गहमागहमी शुरू हुई। पहले प्रक्रिया समझाई। फिर एक-एक विधानसभावार अपेक्षित कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रभारी रणवीरसिंह रावत व पर्यवेक्षक सुधीर गुप्ता के समक्ष पसंद के तीन नाम लिखी पर्ची जमा की। शाम 7 बजे तक प्रक्रिया चली। हालांकि रायशुमारी तीन-चार गुटों में बंटी नजर आई। ज्यादातर मंडल अध्यक्षों व प्रभारियों ने विधायकों की पसंद के नामों पर ही मुहर लगाई। बताते हैं 15 से ज्यादा नाम पर्चियों में सामने आए लेकिन 6 से 7 नाम ऐसे थे, जो कई बार रिपीट हुए।

अलग-अलग क्षेत्रों से ये नाम आए सामने विधानसभा क्षेत्र-1, 2 व 3 से सुमित मिश्रा, आकाश विजयवर्गीय व दीपक जैन के नाम ही

ज्यादातर सदस्यों ने पर्ची में रखे। विधानसभा क्षेत्र-4 से गौरव रणदिवे, एकलव्य गौड़ व कुछ अन्य नाम सामने आए। क्षेत्र-5 व राऊ विधानसभा क्षेत्र से मुकेश राजावत, बबलू शर्मा जैसे नाम रखे गए। महिलाओं में डॉ. दिव्या गुप्ता, मुद्रा शास्त्री, सीमा विरांग जैसे नाम सामने आए। वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इनके अलावा अलग-अलग नाम भी दिए। इसमें विजय मालानी, मनस्वी पाटीदार, दिलीप शर्मा, नानूराम कुमावत और अजय नरूका, अनंत पंवार जैसे नाम शामिल हैं। प्रदेश संगठन तक जाएंगे सारे नाम, 31 तक फैसला अब सारे नाम प्रदेश संगठन तक जाएंगे, लेकिन रायशुमारी को कितना महत्व मिलेगा, इस पर सस्पेंस है। चूंकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खुद इंदौर के प्रभारी हैं, इसलिए यहां के फैसले में उनका भी सीधा हस्तक्षेप रहेगा। प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा व मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की भी सहमति रहेगी।

युवती के सिर पर बीयर की बोतल से किया हमला; मामला दर्ज

इंदौर (नप्र)। इंदौर में विजय नगर इलाके के एक पब की पार्किंग में युवती के सिर पर युवक ने बीयर की बोतल मारकर घायल कर दिया। युवक सलमान लाला गैंग से जुड़ा हुआ होना बताया गया। मामले की जानकारी रात में हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं को मिली। इसके बाद जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने युवक की जमकर पिटाई कर उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया। विजय नगर पुलिस ने मामले में आरोपी पर केस दर्ज किया है। हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक राजकुमार टेटवाल के मुताबिक, जानकारी मिली कि

ट्रांस पब विजय नगर की पार्किंग में एक हिंदू लड़की को एक वर्ग विशेष युवक ने सिर पर बीयर की बोतल मार कर घायल कर दिया। जागरण मंच के कार्यकर्ता जब पब की पार्किंग में पहुंचे तो युवती घायल अवस्था में पड़ी थी। उसके सिर से खून निकल रहा था। उसे तत्काल अस्पताल भिजवाया गया। पूछताछ में जानकारी लगी कि खुद को कुख्यात बदमाश सलमान लाला गैंग के आदमी बताने वाला सोनू नाम का युवक 8-10 लोगों के साथ पब पहुंचा था। उसने धमकी देते हुए कहा कि मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। इसके बाद उसकी जमकर पिटाई कर दी। पुलिस ने मामले में आरोपी पर युवती के बयान

संपादकीय

पाक-बांग्लादेश की गलबहियां

पड़ोसी देश बांग्लादेश और पाकिस्तान की सालों बाद बढ़ती गलबहियां भारत को चिंतित और चिढ़ाने वाली हैं। दोनों देशों के बीच यह दोस्ती स्वाभाविक भी नहीं है, क्योंकि बांग्लादेश का जन्म ही पाकिस्तान की धार्मिक कट्टरता और दमन के खिलाफ हुआ था। भारत की चिंता का मुख्य कारण यह है कि पूर्व में प्रधानमंत्री शेख हसीना के रहते कम से कम बांग्लादेश से लगी भारत की लगभग 4 हजार किमी की सीमा काफी हद तक सुरक्षित थी। शेख हसीना ने वहां कट्टरपंथी ताकतों और आंतकियों को दबाकर रखा था। लेकिन वहां अब सब उलट हो रहा है। समूचा देश अराजक स्थिति में है। बांग्लादेश और पाकिस्तान की यह यारी कूटनीतिक, आर्थिक और सैनिक क्षेत्रों में हो रही है। कहने वहां वयोवृद्ध नोबेल विजेता मोहम्मद युनूस को अंतरिम सरकार का मुखिया बनाया गया है, लेकिन असली सत्ता सेना प्रमुख के हाथों में है, जो खुद जमीयत जैसे संगठनों के हाथों में खेल रहे हैं। हाल में खबर आई कि पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठ अधिकारी बांग्लादेश की सेना को ट्रेनिंग देंगे। हैरानी की बात यह है कि जिस पाक सेना का इतिहास लगातार हार और आत्म समर्पण का रहा हो, वह बांग्लादेश की सेना को क्या और कैसी ट्रेनिंग देगी? दोनों देशों के बीच बढ़ते कूटनीतिक और आर्थिक रिश्ते भी भारत को प्रभावित करने वाले हैं। बांग्लादेश का चटगांव बंदरगाह बंगाल की खाड़ी तट पर स्थित है और कूटनीतिक तथा भारत की क्षेत्रीय सुरक्षा के लिहाज से काफी अहम है। शेख हसीना सरकार के साथ बेहतर रिश्तों के चलते इस बंदरगाह पर भारत विरोधी गतिविधियां काबू में रही हैं। लेकिन अब पाकिस्तान के जहाज का यहां बार-बार आना भारत के लिए चिंता का सबब है। बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक, पनामा के झंडे वाले शिप एमवी युआन शांग फा झान ने रविवार को बांग्लादेशी जलक्षेत्र में प्रवेश किया। इसमें औद्योगिक सामान- जैसे डोलोमाइट, संगमरमर के ब्लॉक, कपड़ों से जुड़ा कच्चा सामान, शक्कर और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद मौजूद थे। इससे पहले नवंबर में भी पाकिस्तान का एक पोत बांग्लादेश पहुंचा था। 1971 के बाद 53 साल में यह पहली बार था, जब पाकिस्तान और बांग्लादेश ने समुद्री व्यापार की शुरुआत की हो। चौंकाने वाली बात यह है कि मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तान से रिश्ते प्रगाढ़ करने के लिए आयात पर अनिवार्य रूप से किया जाने वाला भौतिक निरीक्षण तक बंद कर दिया है। दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने का यह समझौता मोहम्मद यूनुस और पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच मिस्र के काहिरा में हुआ। ऐसे में इस समुद्री क्षेत्र में भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है। जबकि शेख हसीना के समय भारत का निगरानी तंत्र भी इस बंदरगाह पर लगातार नजर रखता रहा था। 2004 में ही भारतीय अधिकारियों ने चीनी हथियारों से भरा एक शिपमेंट को पकड़ा था, जिसे पाकिस्तान की आईएसआई ने भारत के पूर्वोत्तर में प्रतिबंधित किए गए यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के लिए भेजने की कोशिश की थी। लेकिन अब बांग्लादेश की तरफ से पाकिस्तान से आने वाले कार्गो की भौतिक जांच की अनिवार्यता खत्म किए जाने से वहां भारत के अलगाववादियों के लिए अवैध हथियार आदि लाए जा सकेंगे। भारत को अब इस बात की ज्यादा चिंता है कि इस तरह समुद्री मार्ग से पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच व्यापार बढ़ने से भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में विद्रोही संगठनों की मदद की कोशिश की जा सकती है। जिस पर अब तक काफी हद तक लगाम लगी हुई थी। इसके अलावा दोनों देशों (पाकिस्तान और बांग्लादेश) में भारत के खिलाफ इस्लामिक चरमपंथ को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। जो हो रहा है, वह भारत के हितों के हिसाब से ठीक नहीं है।

नजरिया

विजय श्रीवास्तव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कुवैत से रिश्तों की नई परिभाषा

पीएम मोदी दो दिन की कुवैत यात्रा से भारत लौट आए हैं और वहां से वे अपने साथ लेकर आए हैं जबरदस्त आत्मविश्वास और एक बेहतरीन साझेदारी की सौगात। पीएम मोदी का कुवैत पहुंचने पर न सिर्फ सम्मान हुआ, बल्कि ऐसा पहली बार है जब किसी भारतीय पीएम को कुवैत ने अपने देश के सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से नवाजा है। मोदी को यह सम्मान कुवैत के अमीर शेख मिशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा ने दिया। पीएम मोदी को किसी देश से मिलने वाला ये 20वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर कुवैत का एक नाइटहुड ऑर्डर अवॉर्ड है। यह दोस्ती की निशानी के तौर पर राष्ट्राध्यक्षों-विदेशी शासकों और विदेशी शाही परिवारों के सदस्यों को कुवैत में दिया जाता है। मोदी से पहले इस पुरस्कार से बिल क्लिंटन, प्रिंस चार्ल्स और जॉर्ज बुश जैसे नेताओं को नवाजा जा चुका है।

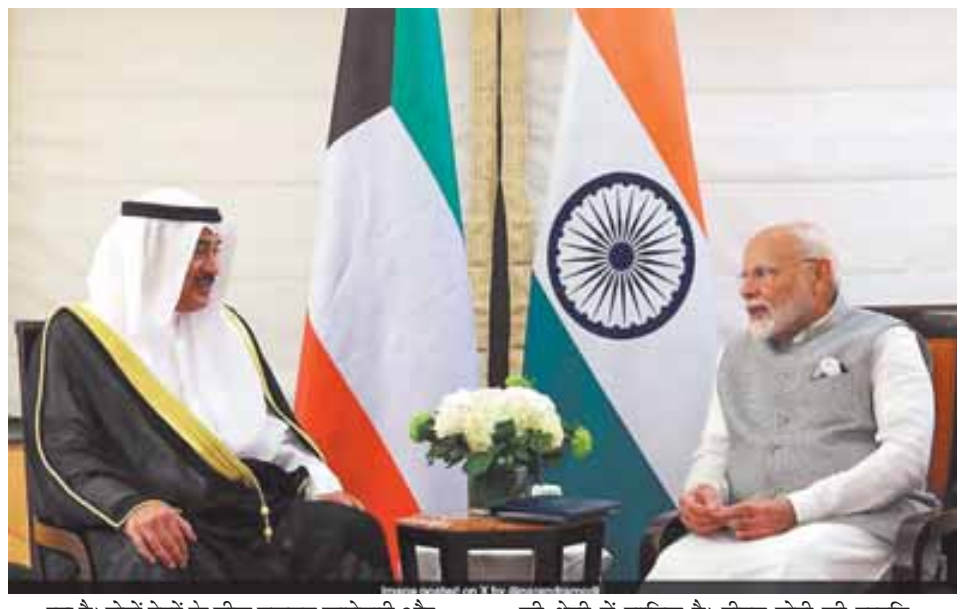

भारत जैसे उभरते देश ने अपनी मेहनत, कड़े परिश्रम, संवेदनशीलता और मधुर संबंधों के साथ-साथ व्यापारिक संबंधों की भी नई परिभाषा लिखी है। अगर कुछ देशों को छोड़ दें तो भारत के किसी भी देश के साथ संबंधों में कड़वाहट नहीं है। हालांकि जिन देशों के साथ भारत की कड़वाहट है, उसके लिए भारत दोषी नहीं है। हाल ही में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुवैत यात्रा मजबूत साझेदारी और साझा दृष्टिकोण पर आधारित होकर सतत विकास को बढ़ावा देने के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने का भी लक्ष्य रखती है। दोनों देशों के आला नेताओं की इस मुलाकात ने संयुक्त राष्ट्र सुधारों और उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया है।

पीएम मोदी दो दिन की कुवैत यात्रा से भारत लौट आए हैं और वहां से वे अपने साथ लेकर आए हैं जबरदस्त आत्मविश्वास और एक बेहतरीन साझेदारी की सौगात। पीएम मोदी का कुवैत पहुंचने पर न सिर्फ सम्मान हुआ, बल्कि ऐसा पहली बार है जब किसी भारतीय पीएम को कुवैत ने अपने देश के सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से नवाजा है। मोदी को यह सम्मान कुवैत के अमीर शेख मिशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा ने दिया। पीएम मोदी को किसी देश से मिलने वाला ये 20वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर कुवैत का एक नाइटहुड ऑर्डर अवॉर्ड है। यह दोस्ती की निशानी के तौर पर राष्ट्राध्यक्षों-विदेशी शासकों और विदेशी शाही परिवारों के सदस्यों को कुवैत में दिया जाता है। मोदी से पहले इस पुरस्कार से बिल क्लिंटन, प्रिंस चार्ल्स और जॉर्ज बुश जैसे नेताओं को नवाजा जा चुका है।

ऐसा नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी से पहले कुवैत जाने की कोई मनाही थी या कुवैत से हमारे कोई व्यापारिक संबंध नहीं हैं, लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है कि भारत के प्रधानमंत्री मोदी के लिए कुवैत एयरपोर्ट पर रेड कॉर्पेट बिछाकर स्वागत किया गया। भारत के पीएम की यह यात्रा अरब के देशों के साथ अपने संबंध और मधुर एवं मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच मजबूत कारोबारी और सांस्कृतिक रिश्ते पहले से ही बरकरार हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भारत से कुवैत के चार घंटे के सफर को पूरा करने में भारत को चार दशक यानी कि 40 साल लग गए। पीएम मोदी से पहले सिर्फ इंदिरा गांधी एकमात्र भारत की प्रधानमंत्री थीं, जो कुवैत दौरे पर गई थीं। उनके बाद हमारे व्यापारिक संबंध तो कुवैत से बने रहे, लेकिन कोई भारतीय प्रधानमंत्री कुवैत नहीं पहुंच पाया।

प्रधानमंत्री मोदी शायद इसीलिए दुनियाभर में सबसे शक्तिशाली प्रधानमंत्रियों में शुमार हैं, क्योंकि उन्हें रिश्ते बनाने आते हैं और दूसरी सबसे बड़ी बात उन्हें भुनाना भी आता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की वजह से आज विश्व पटल पर भारत सबसे विकासशील देशों की श्रेणी में शामिल है। पीएम मोदी की दूरदृष्टि और कूटनीति के चलते आज दुनिया की महाशक्ति माने जाने वाले देश रूस और अमेरिका भी भारत को विश्व मंच पर विशेष दर्जा देते हैं। पीएम मोदी की इस यात्रा से फार्मास्यूटिकल्स, आईटी, फिनटेक, इन्फ्रास्ट्रक्चर और सिक्योरिटी जैसे विषयों पर साझेदारी दोनों देशों के बीच और बढ़ेगी। साथ ही कुवैत और भारत के रिश्तों को नई दिशा मिलेगी। मोदी की कुवैत यात्रा के बाद दोनों देशों में न सिर्फ घनिष्ठ संबंध और अच्छे होंगे, बल्कि इससे रणनीतिक साझेदारी भी होने की संभावना है। पीएम मोदी की यह यात्रा भारत-कुवैत के संबंधों को आर्थिक और रणनीतिक स्तर पर नई ऊंचाई प्रदान करेगी।

भारत जैसे विकासशील देश में मानव संसाधन, कौशल और तकनीक की कोई कमी नहीं है। वहीं कुवैत जैसे अरब देशों में पैसे की तो कोई कमी नहीं है, लेकिन इन देशों में श्रमिकों की कमी है, जिसे पूरा करने का काम भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और कुछ अफ्रीकी देश करते हैं। पीएम अपनी यात्रा के दौरान एक श्रमिक शिविर में भी पहुंचे, जहां 90 फीसदी कामगार भारतीय थे। कुवैत की आबादी में 10 लाख भारतीय हैं। कुवैत की कुल आबादी में भारतीयों की 21 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं कामगारों में 30 फीसदी भारतीय हैं, जिससे यहां रहने वाले भारतीय हर साल लगभग 4.7 अरब डॉलर भारत भेजते हैं। भारत की ईंधन जरूरतें पश्चिम एशिया के देश पूरी करते हैं और पश्चिम एशिया में भारतीय कामगारों की बड़ी आबादी निवास करती है। अब चाहें वो कामगार श्रमिक हों या आईटी, मेडिकल, टेक्नोलॉजी और शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले लोग हों।

कुवैत के साथ भारत के रिश्ते कैसे हैं, इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दोनों देशों के बीच 2023-24 में 10.47 अरब डॉलर का कारोबार हुआ। इस कारोबार में तेल और ऊर्जा उत्पाद का बड़ा हिस्सा है। कुवैत भारत को तेल आपूर्ति करने वाला छठा सबसे बड़ा तेल देश है। बहरहाल भारत ने अपने दोतरफा रिश्ते को रणनीतिक साझेदारी में बदलने का काम किया है, जिसमें एक तरफ हम उनसे कच्चा तेल ले रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ भारत के कामगार वहां काम कर रहे हैं। ऐसे में भारत के प्रधानमंत्री की 43 साल बाद कुवैत यात्रा के कई सकारात्मक मायने निकाले जा रहे हैं। अगर इन मायनों का कुछ बनता है तो भारत के खाड़ी देशों से रिश्ते और मजबूत हो जाएंगे, जो कि भारत की बड़ी रणनीतिक जीत साबित होगी।

नदी संरक्षण सम्मेलन

नदियों को बचाने के लिए एकजुट होने की जरूरत

हेमलता म्हस्के

लेखिका सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

गंगा सहित देश की सभी छोटी और बड़ी नदियों को बचाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक रूप से कारगर और समग्र पहल करने की जरूरत है। इसके लिए देश के सभी गांवों और शहरों के जन-जन को और उनके सभी तरह के प्रतिनिधियों को देश की समस्त नदियों की बिगड़ती स्थिति से अवगत कराने और इनसे उनको उबारने के लिए देशवासियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करना होगा। यह बात नई दिल्ली स्थित गांधी शांति प्रतिष्ठान और अवार्ड में गंगा मुक्ति आंदोलन के संस्थापक अनिल प्रकाश और अनेक गणमान्य लोगों की मौजूदगी में गांधी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष कुमार प्रशांत और सुप्रीम कोर्ट के वकील और जन हितैषी योद्धा अरुण मांझी की अध्यक्षता में हुई बैठकों में हुए मंथन के बाद निष्कर्ष के रूप में सामने आई है।

इन बैठकों में यह बात खुलकर सामने आई कि गंगा सहित सभी नदियां शुरू से सभी जातियों, धर्मों और संप्रदायों के लिए जीवन-दायिनी रही है। इन नदियों के कारण उनके तटों पर रहने वाले विभिन्न समुदायों के लिए आजीविका के अवसर पैदा हुए और साथ ही भारतीय संस्कृति का विकास भी हुआ। इसलिए गंगा सहित देश की सभी छोटी-बड़ी नदियां सिर्फ संसाधन नहीं, बल्कि हमारी विरासत हैं, धरोहर हैं और जागृत स्मारक हैं, जिनकी रक्षा करना हम सभी का सामूहिक कर्तव्य है, लेकिन यह दिल और दिमाग को झकझोरने वाला कठोर सत्य है कि नदियों की स्थिति अब पहले जैसी एकदम नहीं रही है। नदियों के साथ खिलवाड़ पर खिलवाड़ हो रहे हैं।

खासकर गंगा बेसिन की सभी छोटी-बड़ी नदियों को बांधने और उनके किनारे को मनोरंजन और पर्यटक स्थलों के रूप में विकसित करने से नुकसान ही ज्यादा दिखाई पड़ रहे हैं। इनसे आम लोगों का कोई नाता नहीं रह गया है। नदियों के जल और उनके किनारे के स्थलों को संसाधन मानकर पूंजीपतियों सहित विभिन्न ताकतवर लोग बेलगाम होकर उनका ऐसे दोहन कर रही हैं मानो नदियां केवल उन्हीं की संपदा हों। आमजनों को नदियों से दूर तक खदेड़ा जा रहा है या वे विस्थापित होने को मजबूर हो गए हैं। नदियों के साथ ऐसे व्यवहार के कारण न सिर्फ मानव बल्कि पशु-पक्षियों के साथ वनस्पति जगत भी तबाह हो रहे हैं। भारत की मूल संस्कृति भी छिन्न-भिन्न हो रही है।

अब नदियां प्रदूषण, अतिक्रमण और केंद्र सहित सभी राज्य सरकारों और ज्यादातर लोगों की उदासीनता के कारण मरने की कगार पर पहुंच गई हैं। नदियों के विशेषज्ञ चीख-चीखकर अपने शोधों के जरिए बता रहे हैं कि एकांगी उपायों से नदियों का भला नहीं होने वाला है। हालांकि बीते सालों में सरकारों की ओर से थोड़ी-बहुत कोशिशें की गईं, लेकिन वे ऊंट के मुंह में जीरा समान ही साबित हो रही हैं। विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई हैं या उनका ठीक से क्रियान्वयन ही नहीं हो सका।

समय-समय पर 'गंगा मुक्ति आंदोलन' जैसे अनेक आंदोलन भी हुए हैं, जिसके कुछ बेहतर परिणाम भी हासिल हुए हैं, लेकिन अब फिर से कई नई चुनौतियां सामने आ गई हैं, जिनसे नदियों का संकट बहुत गहराता जा रहा है। नदियों का उद्धार अकेले सरकारों के बस की बात नहीं रह गई है। इसके लिए सभी सरकारों और सभी जातियों, धर्मों और संप्रदायों की जनता को मिल-जुलकर सही दिशा में वैज्ञानिक समझ के साथ प्रयास को अंतिम अंजाम तक पहुंचाना होगा।

चार दशक पूर्व गंगा को दो जमींदारों के कब्जे से मुक्ति दिलाने के लिए अनिल प्रकाश के नेतृत्व में चले आंदोलन और फिर उसके कामयाब होने की उपलब्धियों के साथ चर्चित 'गंगा मुक्ति आंदोलन' के नेतृत्वकारी साथियों द्वारा फिर से जन-जन को जगाने और उन्हें संगठित करने का अभियान शुरू हुआ है। इसी 'गंगा मुक्ति आंदोलन' की ओर से दिल्ली में गंगा सहित सभी नदियों की मौजूदा स्थितियों पर विचारार्थ तीन बैठकें आयोजित हुईं, जिनमें नदियों के उद्धार के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास करने वाले साथियों और कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व और वर्तमान सांसदों व विधायकों और नदी विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

सभी ने मिलकर सर्वसम्मति से तय किया है कि गंगा सहित सभी नदियों को बचाने की खातिर सरकार को जगाने के लिए सभी सांसदों को पत्र लिखा जाए और उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इन बैठकों में इस बात पर चिंता व्यक्त की गई कि नई पीढ़ी इस बात से पूरी तरह अनजान है कि देश की नदियां जनजीवन के लिए कितना उपयोगी रही हैं और वर्तमान में इनकी क्या दशा-दुर्दशा हो गई है। नई पीढ़ी को नदियों के इतिहास, भूगोल और संस्कृति के साथ उत्पन्न हो रही विभिन्न समस्याओं से अवगत कराने के लिए विभिन्न भाषाओं में एक पुस्तिका तैयार की जाए।

इसी के साथ सोशल मीडिया पर निरंतर प्रचार-प्रसार की गतिविधियों को तेज करने और कविता, गीत और नाटकों के जरिए जन-जागरण के लिए हरेक राज्य में स्थानीय भाषाओं के कवियों, कलाकारों और नाटककारों की सांस्कृतिक टीम बनाने का भी निर्णय किया गया। देश की सभी नदियों के इतिहास, भूगोल, संस्कृति और समस्याओं पर एक ग्रंथ भी तैयार किया जाए। जिसके संपादन की जिम्मेदारी प्रसून लतांत को दी गई जो संपादकीय मंडल की देखरेख में ग्रन्थ को तैयार करेंगे।

यह भी निर्णय किया गया कि 'राष्ट्रीय नदी बचाओ अभियान' के तहत एक संसदीय समिति सहित अनेक राज्यों में प्रदेश सहित जिला और पंचायत स्तरों पर संगठित ढांचा विकसित करने के लिए पहल की जाए। इन बैठकों में सभी वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि गंगा सहित सभी नदियों की रक्षा के सवाल पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी नई पीढ़ी के साथ एकजुट हुए बिना बेहतर नतीजों के आने की कोई संभावना नहीं हो सकती। हम अब उठ खड़े नहीं होंगे तो शुद्ध जल, हरे-भरे जंगल और उर्वर जमीन से भी हाथ धो बैठेंगे। हमें नदियों के किनारे नई-नई समृद्ध परंपराओं की शुरुआत करनी होगी, ताकि भविष्य में होने वाले पेयजल के अभावों और प्रदूषण के संकटों से देश को बचाया जा सके।

इतिहासकारों के मुताबिक ईस्वी-पूर्व तीसरी शताब्दी से गंगा सहित उनकी सहायक नदियां महान भारतीय संस्कृति का केंद्र रही हैं। गंगा में एक आकर्षण है, जिसने बड़े-बड़े नगरों की भीड़ को ही नहीं, बड़ी-से-बड़ी हस्तियों की भीड़ को भी अपने किनारे खींचा है। प्रारंभ से गंगा के उद्गम गंगोत्री से गंतव्य गंगा-सागर तक व्यापार और विद्या के अनेक केंद्र विकसित हुए। इतना ही नहीं, वैदिक मंत्रों के गायक ऋषियों से लेकर गीतांजलि गाने वाले रवींद्रनाथ टैगोर तक इसके तट पर हुए हैं।

भरत से लेकर समुद्रगुप्त तक सम्राटों ने इसी गंगा-बेसिन में से समूचे भारत को एकता के सूत्र में बांधा है और बुद्ध से लेकर दयानंद तक प्रचारकों ने इसी तट पर से अपना संदेश दिया है। रैदास और कबीर के साथ मुगलकाल में तुलसीदास ने भी अपने संदेश दिए हैं। उस्ताद बिस्मिल्ला खां की साधना भी फलीभूत हुई है। गंगा के किनारे शताब्दियों से वाराणसी आध्यात्म, देश-विदेश में अद्वितीय शिक्षा के केंद्र के रूप में विख्यात विक्रमशिला और 'एशियाटिक सोसाइटीज' द्वारा भारतीय अनुशीलन के केंद्र के रूप में कोलकाता जैसे शहर विकसित हुए जिससे हमारी दृष्टि का विकास हुआ। साहित्य और कला का नया जन्म हुआ। इस प्रकार गंगा हमारी लौकिक और पारलौकिक संस्कृति की जननी है। अब वसुधैव कुटुंबकम् वाली भारतीय जमीन पर गंगा सहित सभी नदियों के वजूद को बचाने के लिए एकजुट होने की जरूरत है। (सप्रेस)

चार साहबजादों की गौरवगाथा

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

जाते हुए वर्ष को जब हम अपने भीतर महसूस करते है तो बहुत सारी अनमोल यादें हमारे अंदर गुदगुदाहट भर देती है। हम जाने-अनजाने कुछ लोगों की स्मृतियों को अपने भीतर समेत से लेते है और खुद को नई वर्ष के लिए कुछ नई यादों को बनाने के लिए तैयार कर लेते है। लेकिन क्या मांस पटल की यादें ही सर्वोप्रिय है, तो जवाब भी हमें खुद से ही मिल जाएगा की नहीं, मात्र मानस पटल की यादों के सहारे हम वर्ष दर वर्ष अपने जीवन को आगे नहीं बधा सकते। हमारे जीवन की निरंतर यात्रा के लिए हमारा गौरव गाथा से भरा इतिहास भी उतना ही सहायक होता है। जाते हुए वर्ष को हम सब जाते-नाचते हुए विदा करना चाहते है, लेकिन कितने परिवारों को यह सुनहरा अवसर मिला होगा, कि वह अपनों को इसी ऊर्जा से विदा कर पाए। शायद बहुत कम या फिर ना के बराबर ही ऐसे अवसर आते है। और हम कब ऐसा कुछ चाहते है कि हमें अपनों को विदा करना पड़े। पर यहाँ बात एक आम मानव की नहीं हो रही, जिसका मकसद खाना-पीना, सोना या फिर उल्लास से भरे जीवन को जीना होता है। यहाँ बात हो रही है महान विभूतियों की जिनके जीवन का हर क्षण दूसरों को समर्पित रहा है। हमारे चार साहिबजादे ऐसे ही महान माता-पिता के पुत्र थे। अपने पिता के जीवन को अपना अपना आदर्श मान कर दूसरों के लिए ही जीवन को समर्पित करने को ही अपने जीवन का आधार बना लिया

जिस उम्र में बच्चे अपने घर-घर खेलने को उल्लास से एखते है, उसी छोटी सी आयु हमारे चार साहिबजादे में दूसरों के घर की रोशनी बनकर चमके। किसी भी धर्म को अपनाने के लिए हमें उसके इतिहास की जानकारी होती है, लेकिन किसी भी अन्य धर्म को सम्मान देने के लिए उसकी गौरव -गाथा के बारे में पता होना जरूरी है। भारतीय इतिहास ही नहीं बल्कि विश्व के इतिहास में चार साहिबजादों जैसी बलिदान गाथा शायद ही किसी और की हो। हमने हमेशा धर्म के नाम पर दूसरों का कत्ल कर देना, या राजगद्दी के लिए अपनों का ही खून बहा देना इतिहास में आम है, लेकिन धर्म की रक्षा और दूसरों के प्रति अपने फर्ज़ को स्वोप्रिय मानकर अपना बलिदान देकर अग्र हो जाना ऐसी मिसाल तो सिख धर्म में देखने को मिली है।

अपने पूर्वजों की आन-बाण और अपने माता-पिता की शिक्षा को अपने जीवन में ढाल कर नन्हे-नन्हे हाथों से कुर्बानी को अपना आसान नहीं है। और ना ही आसान है उस मान के लिए यह देखना की उसके एक नहीं बल्कि चार-चार बेटे हसते-हँसते खुद को मिटा दें। आज अगर हमारे बच्चे को एक खरोंच भी आ जाती है, तब हम चिल्ला-चिल्लाकर गहर सर पर उठा लेते है, केलिन कभी सोचा है उस मान के बारे में जिसने खुद ही अपने बच्चों को अधर्म के आगे घुटने टेकने से ज्यादा खुद के जीवन को मिटाना सीखाया हो। धन्य है हम जिन्हें इतने पावन इतिहास को जानने का अवसर मिला। अब यह हमारा दायित्व है कि हम आज की चकाचौंध में इसे धूमिल ना होने दें और अपने आगामी पीढी को भारत के महान और बलिदान से सरोबर इतिहास के बारे में बताते हुए, उनके भविष्य की मजबूत नींव तैयार करवाए।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

पूरन सरमा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

पहले बस को धक्का लगाओ

देश बढ़े या न बढ़े, लेकिन किराया बढ़ गया है। किराया बढ़ना देश को बढ़ाने के लिए जरूरी भी था। इसलिए तो बढ़ाया गया वरना सरकार कोई बेवकूफ तो है नहीं। बहरहाल बढ़ने की इस प्रतियोगिता में किराये का बढ़ना आम आदमी के लिए तो चिंता का विषय हो ही गया है। किराया क्या बढ़ा गरीब के दुर्भाग्य का प्रतिशत बढ़ गया। वैसे तो किराया ही क्यों महँगाई अपनी रफ्तार से बढ़ रही है और भष्टाचार अपने मौलिक अंदाज में कीर्तिमान चढ़ता हुआ बढ़ा चला जा रहा है। बस, एक मैं हूँ जो बढ़ नहीं पा रहा, क्योंकि मेरे घुटनों में दर्द रहने लगा है।

डॉक्टर कहता है कि असली घी खाओ तो घुटने खुल जाएँगे, लेकिन डॉक्टर को वे घुटने क्या बताऊं जो जीवन संघर्ष करते-करते घिस और छिल गए हैं। किराया बढ़ा तो रूआँसा-सा जा पहुँचा निगम के सक्षम अधिकारी के पास और बोला-'क्यों साहब, फिर बढ़ गया किराया।'

उसने पूछा-'तनख्वाह कितनी मिलती है ? 'असंगत उत्तर सुनकर अटपटा-सा लगा, लेकिन प्रश्न था तो उत्तर देना ही था-'ये ही कोई पाँच हजार।' 'कमाल करते हो भाई, पाँच हजार मिलते हैं और बढ़ा हुआ एक रूपया देने में रो रहे हो ?'

मैं बोला-'वैसे तो मैं दो रूपये दे सकता हूँ, लेकिन उनकी भी तो सोचिए जो पाँच सौ कमाते हैं।' सक्षम अधिकारी बोला, 'माफ करिए बसें उनके लिए नहीं हैं, जो किराया नहीं दे पाएँ, वे न बैठें बस में।' 'क्या बात कही है आपने, फिर वे क्या करें ?' 'वे बसों के पीछे-पीछे दौड़ें, उनको भी उनकी मंजिल मिल जाएगी।'

'थोड़ा दिमाग से काम लीजिए, वे कब तक दौड़ेंगे ?' मैंने पूछा।

वे बोले-'जब तक साँस है दौड़ते रहें, जब तक नहीं दौड़ेंगे, आगे बढ़ नहीं पायेंगे, मेरा मतलब किराया बढ़ा है तो वे भी बढ़ते रहें। भगवान ने उन्हें ग्यारह नंबर की गाड़ी (दो टाँगे) दी हैं।'

'आप कितने अमानवीय हैं। यह तो कोई बात नहीं हुई, बसों में बैठने का अधिकार सबको हैं, क्योंकि वे सरकारी हैं और सार्वजनिक संपत्ति है।' मैंने कहा।

सक्षम अधिकारी बोले-'ना-ना-ना इस भरोसे मत रहना, वह जमाना गया। पहले होती थी गरीब की जोरू सबकी भाभी, अब तो सरकार में शामिल होने के लिए रोकड़ा चाहिए। लेन-देन से ही बनती हैं सरकारें। सरकारें बनती हैं-बिगड़ती हैं और गिरती हैं, लेकिन सारा खेल पैसे का है। रोकड़ा जेब में है तो बैठो, अन्यथा नापो अपना रास्ता ?'

'फिर किराया बढ़ गया है तो हमारा नया वेतन आयोग क्यों नहीं लागू करते ?'

'देखो भैया, बीती बात बिसारने में ही फायदा है, नया वेतन आयोग गुजरे जमाने का किस्सा है, जब तक बच्चा रोता नहीं, माता दूध नहीं पिलाती। न तो तुम हड़ताल करते न विरोध जताते और आ गए नया वेतन आयोग लेने। उसके लिए लाटरी लगाई है, खुल जाएगी तो मिल जाएगा, अन्यथा भैया, बच्चों को दिलासा देना छोड़ो और बैठो अपनी बस में और पहुँचो घर।' उसने एकदम सार्थक वचन कहे तो मेरी आँखें खुली की खुली रह गई। मुझे लगा बस में फटाफट बैठो, अन्यथा ग्यारह नंबर की गाड़ी में तो इतना दम भी नहीं बचा है, जो दस किलोमीटर की लंबी दूरी पार लगा देगी।

जेब में हाथ डाला तो बिलकुल खुल्ले पैसे निकाले, क्योंकि कंडक्टर खुल्ले के बहाने बची राशि नहीं लौटाते और अठन्नी माँगना मेरे बस की बात नहीं है, क्योंकि मुझे पाँच हजार तनख्वाह मिलती है। पाँच सौ वेतन वाले की सोचना मैंने अविलंब बंद किया और बैठ गया बस में, तभी कंडक्टर बोला-नीचे उतरो-बस को धक्का लगाओ ताकि वह आगे बढ़े।

अलविदा 2024

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

दिसंबर की तरह रहना और जीना सीखें

दिसंबर तो दिसंबर ही है। कैलेंडर के आखिर में पड़ा होता है। दिसंबर पर कहां किसी की दीठि जाती है, जो भी है वह सामने के महीनों को देखता है। किसी को जनवरी दिखता है तो किसी को फरवरी दिखता है। अधिक से अधिक किसी को जुलाई दिख जाता है। वह भी बच्चों का एडमिशन कराने के कारण, प्रवेश भी अब कहां जुलाई में होता वह भी अप्रैल में होने लगा फिर दिसंबर का दिखना कहा से आसान होगा। दिसंबर और महीनों की तरह फड़फड़ाते, खड़खड़ाते नहीं दिखता। दिसंबर अपनी गति से, अपने समय से आता है। दिसंबर का आना आना होता है। एक प्रतीक्षा के बाद दिसंबर आता है, घूमते घूमते समय का पहिया जब ग्यारह महीने घूम जाता है तो दिसंबर अंतिम महीने के रूप में आता है। बहुत बार हम कैलेंडर में दिसंबर को देख भी नहीं पाते कि अगले वर्ष का कैलेण्डर, अगले वर्ष की डायरी फड़फड़ाते हुए आ जाते हैं। दिसंबर के हाथों में अगले वर्ष की डायरी, कैलेंडर ऐसे थमाते हैं कि विचारा दिसंबर तो कहीं कुछ हो ही नहीं या दिसंबर के होने का कोई मतलब ही नहीं। दिसंबर में लोग-बाग जनवरी की चर्चा कर रहे होते हैं या क्या करें क्या न करें इसी चर्चा में व्यस्त रहते हैं। कोई ये नहीं सोचता कि दिसंबर पर क्या बीत रही होगी। दिसंबर का अपना अस्तित्व है दिसंबर की अपनी उपस्थिति है ये क्या हुआ कि उसकी उपस्थिति अंत में है तो उसकी कोई खैर तबियत ही न लें। अरे भाई! दिसंबर की तरह रहना और जीना सीखें। दिसंबर एकदम से आखिर में होता है पर एक पल के लिए भी दुखी नहीं होता न ही परेशान न चिंतित, अपने ढ़ंग से आह्लादित रहता है। कहते हैं कि दिसंबर है यह आते आते आता है लेकिन दिसंबर कब चला जाता है किसी को पता ही नहीं चलता। एकदम से व्यस्तता में छोड़कर दिसंबर चला जाता है। दिसंबर में लोग-बाग सर्दी के मारे दुबके ही रहते हैं। घरों, कोठरी में या अलाव से उठकर कोई बाहर नहीं निकलता। सबको ही दिसंबर की उपस्थिति सर्द हवाओं के साथ दिखती है। अब जो है सो है। दिसंबर तो दिसंबर है उसे उसी रूप में आना है। दिसंबर के साथ आनंद में डूबों - उत्सव मनाओ, घूमों-गाओं, नाचों-खाओं, मगन रहो - दिसंबर कहां कहता है कि बस पड़े रहो।

दिसंबर के साथ बहुत कुछ जुड़ा होता है। तो यह भी सच है कि दिसंबर के साथ बहुत कुछ छुटने वाला भी होता है। दिसंबर जतन करना और सहेजना सीखना है। दिसंबर एक तरह से हमें सीख देता है कि क्या कर लिया और क्या नहीं किया तो क्यों नहीं किया? दिसंबर पश्न करता है और प्रश्नों के साथ उत्तर देते हुए चलना सिखाता है। वह कहता है कि कोई भी सफलता यूं ही नहीं मिलती, उसके पीछे हमारे कर्म की, लगन की पूंजी लगी होती है। बिना कर्म किए कोई भी फल की उम्मीद न करें। दिसंबर के पास यूं ही किसी को कुछ देने के लिए नहीं होता। जब आप पूरे साल कुछ न कुछ कर रहे होते हैं तो आपका मूल्यांकन करते आपके खाते में लिखने के लिए दिसंबर के पास इतना कुछ होता है कि दिसंबर का खाता भी भर जाता है।

दिसंबर हिसाब-किताब लगाते चलता है यह कहते हुए चलता है कि आप दिसंबर में हैं तो पूरे साल की उपलब्धियों का खाका चला आता है। दिसंबर एक तरह से पूरे वर्ष के लिए तैयार करता है। आगे चलने की सीख देता है। दिसंबर यह नहीं कहता है कि तुम यहीं बैठे रहो बल्कि दिसंबर कहता है कि अपना कर्म करों। केवल वह कर्म नहीं जो छुटा है, उसको तो पूरा करो ही करों करों। उसके अलावा आने वाले वर्ष के लिए तैयार हो जाओ। दिसंबर एक पूर्वा पर क्रम तैयार कर देता है यह करना है तो यह नहीं करना है। यह करते करते यहां तक चले जाओगे। दिसंबर एक तरह से आने वाले वर्षों के लिए एक प्लान तैयार कर देता है कि आप इस तरह चलों इस तरह से कार्य करों। इसी में जीवन की सार्थकता सफलता है। दिसंबर पर विचार करते करते कुछ कार्य योजना तैयार करते चलें जो दिसंबर में बनती ही बनती हैं और जिसपर चलते चलते न चलते भी लोग-बाग अंततः चलते ही हैं -

1. दिसंबर के साथ ही मूल्यांकन करना शुरु कर दें कि हम कहां हैं ? क्या वस्तुस्थिति है ? और हमें कहां जाना है ?
2. क्या जहां तक जाना था वहां तक हम चले गए ? यदि चलें गये तो यह उपलब्धि और संतोष का विषय है। यदि नहीं गये तो क्यों नहीं ? इस पर विचार करें - उन कारणों को खोजें कि ऐसा क्यों हुआ और उसे दूर करें।
3. दिसंबर के साथ ही नये वर्ष की एक प्लानिंग बना लें और उस पर कार्य करें।
4. दिसंबर शांति के साथ कार्य करते हुए सोच-विचार के साथ आगे बढ़ने को कहता है।
5. दिसंबर का कोई भी फैसला केवल व्यक्तिगत नहीं होता। वह सामाजिक जीवन जीने की प्रक्रिया से जुड़ा होता है। आपको यह करना होता है कि आप देखें कि क्या हो रहा है क्या नहीं हो रहा है।
6. दिसंबर एक संधि स्थल पर खड़ा होता है। एक वर्ष जा रहा होता है और एक वर्ष आ रहा होता है। इस समय दिसंबर एक सुलझे हुए आदमी की तरह व्यवहार करता है।
7. समय का हिसाब किताब दिसंबर संभालता है। यह अपने ही अंदाज में आदमी को नये सिरे से दुनिया से जोड़ते हुए आगे बढ़ने की अपील करता है। दिसंबर हमेशा एक गये हुए समय से आते हुए नये समय संसार में आपको जोड़ देता है।
8. दिसंबर सोच कर ठहर कर चलने को कहता है। सहन शक्ति को बढ़ाता है। यह कहते हुए चलता है कि उम्मीद रखो आगे अच्छा होगा।
9. दिसंबर सकारात्मकता के घोड़े पर सवार होकर आता है और आपको कर्मठ बनाते हुए जीवन में अनंत उर्जा को संभाल कर चलने की सीख देता है। दिसंबर बैठ जाने के लिए नहीं होता बल्कि नये सिरे से चलने की सीख देते हुए हमेशा आगे बढ़ते जाने को कहता है।

दिसंबर का पाठ बड़े बुजुर्गो के पाठ की तरह होता है कि यह करों यह मत करों। इसी के साथ अनुभव का भंडार होता है कि यदि साल भर में कुछ नहीं सीख समझ पाये तो तुम्हें कोई और नहीं दिसंबर ही सीखा सकता है। दिसंबर कठोरता से फ़ैसले लेने की सीख देता है। अपने निर्णय को ठीक मानते हुए चलने को कहता है। दिसंबर के लिए कोई बहाना नहीं होता, टालमटोल को नापसंद करते हुए दिसंबर का विश्वास बस आगे बढ़ जाने में है।

मिर्जा गालिब की 227वीं जयंती पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

हर दिल की गहराई में उतरते हैं मिर्जा गालिब के शेर

मिर्जा गालिब : शब्दों में बसा एक अमर व्यक्तित्व

मिर्जा गालिब फारसी और उर्दू के कितने बड़े हस्ताक्षर थे, यह इसी से आसानी से समझा जा सकता है कि सोहराब मोदी ने 1954 में उनकी शख्सियत पर बॉलीवुड फिल्म 'मिर्जा गालिब' बनाई, छोटे पर्दे पर भी गुलजार ने 1988 में 'मिर्जा गालिब' नामक टीवी सीरियल बनाया, जो काफी प्रसिद्ध रहा। 'मिर्जा गालिब' फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ था, जिसमें भारत भूषण ने मिर्जा गालिब का किरदार निभाया था। 'मिर्जा गालिब' टीवी सीरियल में मिर्जा गालिब का किरदार नसीरूद्दीन शाह ने निभायाथा। पकिस्तान में भी मिर्जा गालिब पर 1961 में एक फिल्म बनाई जा चुकी हैं। इसके अलावा मिर्जा गालिब की 220वीं जयंती पर वर्ष 2017 में गूगल द्वारा उन्हें डूडल से श्रद्धांजलि भी दी गई थी।

दुनियाभर में वैसे तो कई बेहतरीन शायर हुए हैं लेकिन मिर्जा गालिब को उर्दू के सबसे बेहतरीन शायर के रूप में याद किया जाता है। शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसने कभी मिर्जा गालिब का नाम नहीं सुना हो। हालांकि अपनी शायरी में उन्होंने फारसी का बहुत ज्यादा प्रयोग किया, इसलिए भले हीवह आम आदमी की समझ से दूर रही लेकिन फिर भी मिर्जा गालिब आम आदमी के दिल के करीब रहे। वह ऐसे महान शायर थे, जिन्होंने अपनी बेहतरीन शायरी केजरिये लोगों को जिंदगी के मायने समझाए। आप भले ही जिंदगी के किसी भी मोड़ पर खड़े हों, पारम्परिक भक्ति और सौन्दर्य रस से भरपूर उनकी शायरी हमेशा आपके साथ खड़ी मिलेगी। 27 दिसम्बर 1797 को आगरा के काला महल में जन्मे मिर्जा गालिब का वास्तविक नाम मिर्जा असदउल्लाह बेग खान था और गालिब उनका उपनाम था, इसीलिए अपनी शायरी के साथ वे 'मिर्जा गालिब' नाम से लोकप्रिय हुए। उनके पिता का नाम मिर्जा अबदुल्ला बेग तथा माता का नाम इज्जत-उत-निसा बेगम था। जब वे महज पांच वर्ष के थे, तभी उनके पिता का देहांत हो गया था। महज 13 साल की उम्र में मिर्जा गालिब का निकाह नवाब इलाही बख्श खान की बेटी उमराव बेगम के साथ हुआ और गालिब की कुल सात संतानें हुई मगर अफसोस कि उनमें से कोई भी जीवित नहीं रही। जीवन का यह गमउनकी शायरी में भी घुलता रहा। उनकी इस शायरी में उनका दर्द स्पष्ट झलकता था, 'बेवजह नहीं रोता इश्क में कोई गालिब, जिसे खुद से बढ़कर चाहो वो रूलाता जरूर है।'

मिर्जा गालिब फारसी और उर्दू के कितने बड़े हस्ताक्षर थे, यह इसी से आसानी से समझा जा सकता है कि सोहराब मोदी ने 1954 में उनकी शख्सियत पर बॉलीवुड फिल्म 'मिर्जा गालिब' बनाई, छोटे पर्दे पर भी गुलजार ने 1988 में 'मिर्जा गालिब' नामक टीवी सीरियल बनाया, जो काफी प्रसिद्ध रहा। 'मिर्जा गालिब' फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ था, जिसमें भारत भूषण ने मिर्जा गालिब का किरदार निभाया था। 'मिर्जा गालिब' टीवी सीरियल में मिर्जा गालिब का किरदार नसीरूद्दीन शाह ने निभायाथा। पकिस्तान में भी मिर्जा गालिब पर 1961 में एक फिल्म बनाई जा चुकी हैं। इसके अलावा मिर्जा गालिब की 220वीं जयंती पर वर्ष 2017 में गूगल द्वारा उन्हें डूडल से श्रद्धांजलि भी दी गई थी। जिंदगी के हर पहलू पर उनका नजरिया, उनका अंदाजे बयां, उनकी कलम और कलाम, उनकी शख्सियत उन्हें बेजोड़ बनाता है। मोहब्बत, बेवफाई, रुसवाई और जिंदगी से लेकर जन्नत तक पर उन्होंने बहुत कुछ लिखा है।

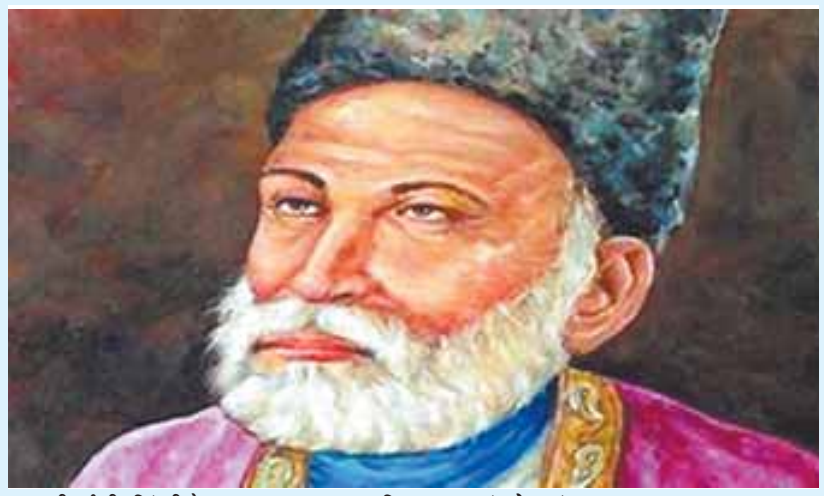

गालिब मूलतः फारसी के शायर थे लेकिन उर्दू में भी उन्होंने भरपूर लिखा, इसीलिए कहा जाता है कि उनके जैसा शायर दुनिया में संभवतः दोबारा नहीं होगा। 'इश्क ने 'गालिब' निकम्मा कर दिया, वरना हम भी आदमी थे काम के', 'दिल-ए-नादां तुझे हुआ क्या है, आखिर इस दर्द की दवा क्या है', 'मैं नादान था जो वफा को तलाश करता रहा गालिब, यह न सोचा के एक दिन अपनी सांस भी बेवफा हो जाएगी', 'तेरी दुआओं में असर हो तो मस्जिद को हिला के दिखा, नहीं तो दो घूंट पी और मस्जिद को हिलता देख', 'इस सादगी पे कौन न मर जाए ऐ खुदा, लड़ते हैं और हाथ में तलवार भी नहीं', 'वो आए घर में हमारे, खुदा की कुदरत हैं! कभी हम उनको, कभी अपने घर को देखते हैं' जैसी बेहतरीन शायरी के लिए पहचाने जाने वाले मिर्जा गालिब ने एक से बढ़कर एक शेरो-शायरियां, रुबाई, कसीदा और किताबें लिखी।

हालांकि मिर्जा गालिब की शिक्षा-दीक्षा के बारे में कोई पर्याप्त जानकारी नहीं मिलती लेकिन यह उल्लेख अवश्य मिलता है कि उन्होंने महज 11 वर्ष की आयु में ही ईरान से दिल्ली आए एक मुस्लिम के साथ रहकर फारसी और उर्दू सिखाना शुरू कर दिया था। 13 साल ही उम्र में वह अपनी बेगम और भाई मिर्जायूसुफ खान के साथ दिल्ली चले आए. जहां उन्हें पता चला कि आखिरी मुगलबादशाह बहादुरशाह जफर के बेटे फक्र-उद-दिन मिर्जा को शेर-शायरियां सिखाने के लिए एक शायर की जरूरत हैं। उसके बाद गालिब बहादुरशाह जफर के बड़े बेटे को शेरो-शायरी की गहराईयों की तालीम देने लगे। चूंकि बादशाह भी उर्दूशेरो-शायरी के बड़े प्रशंसक होने के साथ-साथ कवि भी थे, इसलिए वह भी गालिब की शेर-शायरियां पढ़ने में रूचि लेते थे और कुछ समय बीतने पर गालिबउनके दरबार के खास दरबारियों में शामिल हो गए। बादशाह के दरबारी कवि रहे मिर्जा गालिब मुगल शासन के दौरान गजल गायक, कवि और शायर हुआ करते थे। बहादुरशाह जफर द्वितीय द्वारा उन्हें दरबार में रहते हुए 1850 मेंदबीर-उल-मुल्क तथा नज़्म-उद-दौला जैसे खिताबों से नवाजा गया और बाद में उन्हें मिर्जा नोशा का खिताब भी मिला। तभी से उनकी लोकप्रियता इतनी बढ़ गई कि दो सदियों बाद भी उनकी शायरी आज भी न केवल हर उम्र के लोगों के बीचलोकप्रिय है, वहीं उनकी लिखी गजलें तथा शायरियां युवाओं तथा प्रेमियों कोभी अपनी ओर आकर्षित करती हैं।

1857 के स्वतंत्रता संग्राम में मुगल सेना को ब्रिटिश साम्राज्य से पराजय मिलने के बाद बहादुरशाह को रंगून भेज दिया गया और मुगल साम्राज्य खत्म हो गया। इससे मिर्जा गालिब को मिलने वाली आय बंद हो गई और उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई। जब उनके पास खाने के भी पैसे नहीं बचे तो वह छोटे-छोटे समारोहों में अपनी शायरियों से लोगों को प्रभावित करने लगे और अपने जीवन की बेहतरीन शायरियां उन्होंने इसी दौरान लिखी। इसीलिए उन्हें 'आम लोगोंका शायर' भी कहा जाता है। एक-एक कर सात बच्चों की मौत के बाद शराब पीना उनकी रोजाना की जिंदगी का हिस्सा बन गया था। वह अपनी पूरी पेंशन शराब पर ही खर्च दिया करते थे और उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी फक्कड़पन में हीगुजारी। बच्चों की मौत से दुखी गालिब को शराब के साथ जुआ खेलने की भी आदतलग गई थी और ये दोनों आदतें आखिरी सांस तक उनके साथ बरकरार रही। जुआ खेलने और खिलाने के आरोप में उन्हें जेल की हवा भी खानी पड़ी थी। अपने जीवन के अंतिम साल उन्होंने गुमनामी में काटे लेकिन जीवन के अंतिम क्षण तक वे हाजिरजवाब बने रहे। 15 फरवरी 1869 को मिर्जा गालिब ने अंतिम सांस ली और उसके करीब एक साल बाद उनकी पत्नी उमराव बेगम की भी मौत हो गई। दोनों की कब्र दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में बनाई गई। बहरहाल, मरने के बाद भी यह महान फनकार अपनी शायरी, नगमों और कविताओं में जिंदा है। फारसी शब्दों के हिन्दी में जुड़ाव तथा फारसी कविता को हिन्दुस्तानी भाषा में पेश करने का श्रेय मिर्जा गालिब को ही जाता है।

सेहत

बाल मुकुन्द ओझा

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

देश के सवा करोड़ बच्चे मोटापे के शिकार

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रोजाना दो घंटे से ज्यादा टीवी देखने पर बच्चों में हाई बीपी का खतरा 30 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। जॉर्जिया यूनिवर्सिटी (स्पेन) और साओ पाउलो (ब्राजील) के रिसर्चर्स ने पाया कि लगातार टीवी देखने की आदत हाई बीपी की आशंकाओं को और भी बढ़ा सकती है। दो साल के आंकड़ों पर आधारित इस सर्वे में 2 साल से 10 साल के 5,221 बच्चों को शामिल किया गया। इंटरनैशनल जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी में प्रकाशित इसके नतीजे दर्शाते हैं कि दो साल की स्टडी के दौरान 1000 बच्चों में से 110 बच्चों में हाई बीपी की समस्या पाई गई। हाई बीपी जीवन में कभी न कभी रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्याएं भी पैदा कर सकता है। रिसर्च ने कहा, ये आंकड़े सभी के लिए चौंकाने वाले हैं। सर्वे के नतीजे यह भी दर्शाते हैं कि कुछ बच्चों में जहां दिक्कतें कुछ ही समय में शुरू हो जाती हैं वहीं कुछ को काफी देर में नुकसान का पता चलता है।

देश और दुनियां में बच्चों में मोटापा बढ़ने की खबर बेहद चिंताजनक है। गलत खानपान और बदलती हुई जीवनशैली के चलते देश के नौनिहाल मोटापे का शिकार हो रहे हैं। शारीरिक गतिविधियां न होने के चलते बच्चों में मोटापा का असर देखने को मिला है। 'द लांसेट' पत्रिका में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन के मुताबिक भारत में मोटापा एक बड़ी बीमारी बनकर उभर रहा है। 2022 में पांच से 19 वर्ष की आयु के लगभग 1.25 करोड़ बच्चे-किशोर मोटापे का शिकार हुए। अध्ययन में बताया कि इन 1.25 करोड़ लोगों में 73 लाख लड़के और 52 लाख लड़कियां शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में मोटापे से ग्रस्त बच्चों, किशोरों और वयस्कों की कुल संख्या एक अरब से अधिक हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के वैश्विक डेटा के विश्लेषण के अनुसार, दुनियाभर के बच्चों और किशोरों में 2022 में मोटापे की दर 1990 की दर से चौगुनी रही। 1990 के बाद से मोटापा अधिकतर देशों में कुपोषण का सबसे आम रूप बन गया। शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन के लिए 190 से अधिक देशों के पांच वर्ष या उससे अधिक उम्र के 22 करोड़ से अधिक लोगों के वजन और लंबाई का विश्लेषण किया।

स्कूली बच्चों को लेकर तरह तरह की खबरों के बीच जीवन शैली में हो रहे परिवर्तन और शारीरिक कसरत से दूर होने के कारण बच्चों में मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है। बढ़ता मोटापा बच्चों में न केवल डायबीटीज, हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों को आमंत्रण दे रहा है, बल्कि उनके करियर और सोशल लाइफ में भी मुसीबत बन रहा है। बच्चों के बदलते रहन सहन से उनके स्वास्थ्य पर कई प्रकार के खतरे मंडराने लगे है। अब मोबाइल,वीडियो गेम,टीवी आदि ने जैसे बच्चों को अपने आगोश में ले लिया है। कम उम्र में मोटापा बहुत ही जल्दी बच्चों में डायबीटीज और हार्ट से संबंधित कई घातक बीमारियों को जन्म दे सकता है। टीन एज एक ऐसी अवस्था है जिसमें बच्चों के शरीर को संवारा जा सकता है। इस उम्र में जरा सी भी लापरवाही बच्चे की पूरी जिंदगी पर असर डाल सकती है। माता पिता और अभिभावकों की अनदेखी से बच्चों का भविष्य बजाय सुधरने के बिगड़ने की और अधिक बढ़ रहा है। जिसका खामियाजा अन्ततोगत्वा देश को ही भुगतने पड़ेगा।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रोजाना दो घंटे से ज्यादा टीवी देखने पर बच्चों में हाई बीपी का खतरा 30 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। जॉर्जिया यूनिवर्सिटी (स्पेन) और साओ पाउलो (ब्राजील) के रिसर्चर्स ने पाया कि लगातार टीवी देखने की आदत हाई बीपी की आशंकाओं को और भी बढ़ा सकती है। दो साल के आंकड़ों पर आधारित इस सर्वे में 2 साल से 10 साल के 5,221 बच्चों को शामिल किया गया। इंटरनैशनल जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी में प्रकाशित इसके नतीजे दर्शाते हैं कि दो साल की स्टडी के दौरान 1000 बच्चों में से 110 बच्चों में हाई बीपी की समस्या पाई गई। हाई बीपी जीवन में कभी न कभी रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्याएं भी पैदा कर सकता है। रिसर्च ने कहा, ये आंकड़े सभी के लिए चौंकाने वाले हैं।

सर्वे के नतीजे यह भी दर्शाते हैं कि कुछ बच्चों में जहां दिक्कतें कुछ ही समय में शुरू हो जाती हैं वहीं कुछ को काफी देर में नुकसान का पता चलता है। एक्सपर्ट्स ने सुझाव दिया कि बच्चों को रोज कम से कम एक घंटा शारीरिक श्रम की आदत जरूर डालें। इतना ही नहीं एक्सपर्ट्स ने ये भी कहा कि अगर रोज 60 मिनट फिजिकल एक्टिविटी नहीं की गई तो इससे हाई बीपी की समस्या 50 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बचपन में मोटापे का एक बड़ा कारण फास्टफूड है। एक अध्ययन रिपोर्ट में सावचेत किया गया है कि जो किशोर बहुत ज्यादा फास्ट फूड खाते हैं वो जाने-अनजाने में ही उनके शरीर में हानिकारक रसायन प्रवेश करते हैं जिससे उनके हार्मोन का संतुलन बिगड़ सकता है।

पुलिस ने महिला को गर्भवती कर अस्पताल में छोड़ने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से 2 अर्टिगा चारपहिया वाहन एवं 1 एक्टिवा जप्त

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने शादी का झांसा देकर महिला को ठगने, उसे गर्भवती कर जिला अस्पताल में गंभीर स्थिति में छोडक़र भागने और उसके बैंक खाते से धनराशि का दुरुपयोग करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 16 दिसंबर को सूचना प्राप्त हुई कि एक गर्भवती महिला को किसी अज्ञात व्यक्ति ने जिला अस्पताल में भर्ती कराकर गम्भीर हालत में छोड़ दिया और फरार हो गया। महिला के पास कोई भी परिजन उपस्थित नहीं था। फरियादी विकास पिता राधेश्याम मालवीय निवासी वार्ड वाय जिला अस्पताल बैतूल की शिकायत पर धारा 194 बीएनएसएस के तहत दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान मृतिका के परिजनों के कथन से पता चला कि मृतिका को आरोपी पवन पवार ने शादी का झांसा देकर अपने साथ किराये के कमरे में रखा। इस दौरान मृतिका गर्भवती हो गई। स्वास्थ्य बिगडऩे पर आरोपी ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया और मृत्यु के उपरांत वहीं छोडक़र फरार हो गया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पवन पवार ने मृतिका के बैंक खाते से पैसे अपने खाते में ट्रांसफर किए और उन पैसों से 2 अर्टिगा चारपहिया वाहन एवं 1 एक्टिवा स्कूटर खरीदे। कोतवाली पुलिस ने आरोपी पवन पवार उर्फ राजा अली (33) निवासी विनोभा नगर भग्गूढाना, बैतूल को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उसने मृतिका के खाते से धनराशि अपने खाते में ट्रांसफर की और उससे वाहन खरीदे। इस मामले को सुलझाने में थाना प्रभारी रविकांत डेहरिया, उप निरीक्षक चित्रा कुमरे, प्रधान

आरक्षक अरविंद सिंह, महिला प्र.आर. ललिता, आरक्षक नितिन चौहान और आरक्षक शिव कुमार की सराहनीय भूमिका रही।

बाजार पुलिस ने जुआ खेलते 6 लोगों को पकड़ा: बैतूल बाजार पुलिस ने जुआ खेलने वाले 6 लोगों पर कार्रवाई की है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बडोरा में प्रदीप सरले के खेत पर कुछ लोग हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाही करते हुए पंकज नाईक निवासी बैतूल, अशोक पाल, सुदेश सिकरवार निवासी द्वारका नगर, बडोरा टेकचंद आर्य निवासी चूनालूमा, प्रदीप निवासी बडोरा को जुआ खेलते हुए पकड़ा, वहीं पुलिस को देखकर पंकज काले, निवासी कोलगांव घटना स्थल से फरार हो गया। पुलिस ने मौके से 12,700 की राशि बरामद की। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया एवं जमानत मुचलके पर रिहा कर दिया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अंजना धुर्वे, उप निरीक्षक रामस्वरूप रघुवंशी, सहायक उप निरीक्षक प्रआर अरुण डेहरिया, आरक्षक अरुण, आरक्षक माखन पाल, आरक्षक भूपेन्द्र, चालक प्रआर राजेश एवं सैनिक मनोज सरयाम की सराहनीय भूमिका रही।

अड़ीबाजी एवं फायनेंस ऑफिस में तोडफ़ोड़ करने वाले आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। अड़ीबाजी और फायनेंस ऑफिस में तोडफ़ोड़ के दो अलग-अलग मामलों में संलिप्त आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। शिकायतकर्ता जगदीश चौहान पिता घासीराम चौहान निवासी प्रताप वार्ड वर्मा मोहल्ला बैतूल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि कार्लोस उर्फ मोहित रैकवार, जतिन रगडे, आदर्श सोनी एवं अन्य दो व्यक्तियों ने गाली-गलौच, मारपीट और अड़ीबाजी की। शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने धारा 333, 296, 324(4), 351(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया और विवेचना में लिया गया। वहीं शिकायत रियाज अंसारी पिता किमाम अंसारी निवासी बैतूल टाउन फेस-02 गौठाना बैतूल ने रिपोर्ट की थी कि उनकी फायनेंस ऑफिस में कार्लोस रैकवार, जतिन रगडे एवं अन्य तीन व्यक्तियों ने गाली-गलौच, मारपीट, अड़ीबाजी और तोडफ़ोड़ की। दोनों मामलों में आरोपी फरार थे, जिनकी तलाश के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपियों को शहर में देखा गया है। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए मोहित उर्फ कार्लोस रैकवार पिता गंगू रैकवार निवासी मराठी मोहल्ला बैतूल, जतिन रगडे पिता संदीप रगडे 18) निवासी मराठी मोहल्ला, बैतूल, आदर्श सोनी पिता महेश सोनी (20) निवासी मराठी मोहल्ला, बैतूल और विधि विरुद्ध बालकों को अभिरक्षा में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपने अपराध कबूल किए। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रविकांत डेहरिया, उपनिरीक्षक पंचमसिंह उईके, प्रधान आरक्षक महेंद्र, आरक्षक नितिन चौहान, आरक्षक शिव कुमार, आरक्षक अनिल बेलवंशी एवं आरक्षक उज्जवल दुबे की सराहनीय भूमिका रही।

1 लाख 40 हजार की धोखाधड़ी करने वाले फरार आरोपी गिरफ्तार

लुटेरी दुल्हन मामले में फरार सहयोगी गिरफ्तार

बैतूल। थाना गंज क्षेत्र अंतर्गत धोखाधड़ी और छल का मामला प्रकाश में आया था। फरियादी राजेश मंसुरिया, निवासी हाटपिपलिया जिला देवास ने दिनांक 8 सितंबर 2024 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 30 अगस्त 2024 को सुरेंद्र यादव ने उनके साले धर्मेंद्र बागवान की शादी कराने के बहाने उन्हें बैतूल बुलाया। सुरेंद्र यादव और उसके साथियों ने फरियादी और उनके परिवार को विश्वास में लेकर उनसे 1,40,500 रुपये ऐंठे और फिर कथित दुल्हन सीमा यादव शादी के बाद रास्ते में फरार हो गई। सुरेंद्र यादव और उसके साथी राजा उर्फ चंद्रशेखर, सावित्री अहाके ने फरियादी को बैतूल के कालापाठा स्थित रमेश सूर्यवंशी के घर बुलाया। वहां, सीमा यादव नाम की युवती को दुल्हन के रूप में प्रस्तुत किया गया। आधार कार्ड दिखाने और युवती से मिलवाने के बाद, शादी के नाम पर सुरेंद्र यादव ने फरियादी से 1,50,000 रुपये मांगे। फरियादी ने 1,00,000 रुपये नकद और 40,500 रुपये फोन पे के माध्यम से सुरेंद्र यादव को दिए। इसके बाद बैतूल कोर्ट के पास वकील के जरिए सीमा यादव और धर्मेंद्र बागवान के बीच लिव-इन-रिलेशनशिप का एक एग्रीमेंट तैयार किया गया। एग्रीमेंट के बाद दुल्हन को मंगलसूत्र और चांदी की पायल पहनाई गई। विवाह प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी लोग टवेरा गाड़ी से हाटपिपलिया (देवास) के लिए रवाना हुए। रास्ते में, शंकर ढाबा (चिरापाटला) पर रुकने के दौरान सीमा यादव ने बाथरूम जाने का बहाना किया और वहां से एक अज्ञात व्यक्ति के साथ स्कूटी पर बैठकर फरार हो गई। फरियादी ने युवती की तलाश की, लेकिन वह नहीं मिली। घटना की रिपोर्ट पर थाना गंज में धारा 318(4) बीएनएस और 3(5)बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। इस मामले में सुरेंद्र उर्फ बंटू पिता रामकिशन यादव (32 वर्ष) निवासी ग्राम नांदा भीमपुर, रमेश पिता सुकू सूर्यवंशी (63 वर्ष), निवासी आरडी पब्लिक स्कूल के पीछे, कालापाठा और सावित्री पति रामशंकर अहाके (30 वर्ष), निवासी अर्जुन नगर बैतूल तीनों आरोपियों को पुलिस ने सायबर सेल की मदद से गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया था। वहीं फरार आरोपी आरोपी राजा उर्फ चंद्रशेखर पिता विष्णु पोर्टभोडे (39 वर्ष), निवासी लोहिया वार्ड, गंज को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। इस प्रकरण में निरीक्षक अरविंद कुमरे, उपनिरीक्षक रणधीर सिंह राजपूत, सहायक उपनिरीक्षक उमेश बिल्लोरे, आरक्षक उत्कर्ष, और चालक दीपक सनोडिया ने विशेष भूमिका निभाई।

जिला स्तरीय जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन

विकसित मध्यप्रदेश- 2047 की परिकल्पना पर हुआ मंथन

2047 की परिकल्पना, देश- प्रदेश की तर्ज पर धार जिला विकास के नये आयाम स्थापित करे : राजेश शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रांड एम्बेसडर राजेश शर्मा ने मध्यप्रदेश राज्य और धार जिले को 2047 तक विकसित राज्य और जिला बनाने की दिशा में विचार रखते हुए कहा कि जिले में रोजगार के लिए की जाने वाली भर्ती में और अधिक पारदर्शिता हो। महिलाओं को घर पर काम करके कमाने का अधिक अवसर मिले। प्रतिभाओं के आगे बढ़ने,शिक्षा के अवसरों में समानता हो। कृषि कालेज और इंजीनियरिंग कालेज खोला जाना चाहिए। योजनाओं का निगरानी तंत्र और अधिक मजबूत हो। आधारभूत संरचनाएं और अधिक मजबूत होना चाहिए। एशिया का डेट्रायट पीथमपुर से धार जिला लाभान्वित हो इसके लिए समग्र प्रयास करने होगे।

धार। मध्यप्रदेश राज्य और धार जिले को 2047 तक विकसित राज्य और जिला बनाने की दिशा में विचार-विमर्श और योजनाओं को अमलीजामा पहनाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ। कार्यक्रम में धार विधायक नीना वर्मा,धरमपुरी विधायक कालूसिंह ठाकुर,प्रभारी कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी, अपर कलेक्टर अश्विनी कुमार रावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि, महिलाएं, युवा और समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। जनसंवाद में जिले के दिव्यानी ठाकुर,अजय सिंह ठाकुर,शैलेंद्र तिवारी,अरुण वर्मा, पंकज राठौर,राजेश शर्मा और श्रीकांत द्विवेदी ने कहा कि आधुनिक तकनीक का सकारात्मक प्रयोग हो। खेती का ट्रेंड बदला जाए,जिसमें रासायनिक खाद कीटनाशकों का प्रयोग बंद हो। कम पानी में होने वाली फसलों के विकास पर काम हो। विधायक श्रीमती वर्मा और श्री ठाकुर ने कहा कि विकसित मध्यप्रदेश की परिकल्पना को साकार करने के लिए जनभागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए जनता और प्रशासन को मिलकर कार्य करना होगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्री चौधरी ने जिले की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध संसाधनों और विकास की संभावनाओं के बारे में जानकारियां दी।

उन्होंने कहा कि 2047 तक जिले को विकसित जिला बनाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा, महिला सशक्तिकरण और रोजगार जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर कार्य होंगें। जनसंवाद कार्यक्रम में विभिन्न वर्गों के लोगों ने अपने सुझाव और समस्याएं साझा की। युवाओं ने शिक्षा और रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने की मांग की। महिलाओं ने स्वास्थ्य सुविधाओं और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की। इस दौरान अधिकारियों ने जनता द्वारा दिए गए सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें नीति निर्माण में शामिल करने का आश्वासन दिया।इस अवसर पर जिला अधिकारियों ने अपने विभाग से संबंधित विकास कार्यों और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना कार्यशाला का आयोजन

बैतूल। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। जिसमें कृषकों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत होने वाले जोखिमों से नुकसान के बारे में बताया गया एवं अधिक से अधिक कृषकों को फसल बीमा करवाने के लिए प्रेरित किया गया। जिला पंचायत कृषि स्थाई समिति अध्यक्ष श्रीमती शैलेंद्र कुमार, विकासखंड कृषि स्थाई समिति अध्यक्ष माधवराव मानकर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रेखा पांसे, भारतीय किसान संघ अध्यक्ष प्रतिनिधि दीपक कपूर, महाप्रबंधक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बैतूल कुमारी नीता निगम, उपसंचालक कृषि डॉ. आनंद कुमार बडोनिया सहित अन्य अधिकारी कार्यशाला में मौजूद रहे। कार्यशाल में बताया कि रबी में अधिकृत फसलों के लिए कृषक द्वारा दिए गए प्रीमियम राशि में गेहूं सिंचित 615, गेहूं असंचित 375, चना 480 एवं सरसों 459 रुपए प्रति हेक्टेयर है। फसल बीमा करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित की गई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा करवाने के लिए अऋणी कृषक अपनी निकटतम बैंक शाखा सहकारी समिति अधिकृत चैनल जन सेवा केंद्र (सीएससी) एवं कृषक स्वयं भी राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर योजना से जुड़ सकते हैं।

भाजपा जिला अध्यक्ष के लिए रायशुमारी भाजपा कार्यालय पर हुई

- निर्वाचन पर्यवेक्षक सुधीर गुप्ता एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रामेश्वर शर्मा को पसंदीदा तीन-तीन नाम दिये

धार। संगठन पर्व वर्ष 2024 के अंतर्गत जिला भाजपा अध्यक्ष के लिए रायशुमारी 26 दिसंबर को भाजपा जिला कार्यालय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें संगठन चुनाव पर्यवेक्षक मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता और जिला निर्वाचन अधिकारी भोपाल विधायक रामेश्वर शर्मा विशेष रूप से पहुंचे इस दौरान एक कार्यशाला भी आयोजित की गई जिसमें संभाग प्रभारी राघवेंद्र गौतम जिले के विधायक नीना वर्मा और कालू सिंह ठाकुर मंचासीन रहे। जिला अध्यक्ष के लिए राय शुमारी सभी अपेक्षित गण ने अपने पसंदीदा तीन-तीन नाम एक पर्ची में लिखकर जिला निर्वाचन अधिकारी को बंद कमरे में दिए। भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया। जिला निर्वाचन अधिकारी भोपाल विधायक रामेश्वर शर्मा ने जिला भाजपा अध्यक्ष के लिए निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी दी। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि राय शुमारी के लिए विभिन्न अपेक्षित श्रेणियां बनाई है जिसमें वर्तमान सांसद और पूर्व सांसद, वर्तमान विधायक पूर्व विधायक वर्तमान जिला अध्यक्ष पूर्व जिला अध्यक्ष विधानसभा चुनाव वर्ष 2023 भाजपा प्रत्याशी पूर्व निगम मंडल अध्यक्ष जिला पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष नगर पालिका अध्यक्ष उपाध्यक्ष जिले में नव निर्वाचित मंडल अध्यक्ष और जिला प्रतिनिधि गण समेत कुल 85 भाजपा नेता व पदाधिकारी राय शुमारी में शामिल हुए।

जवाहर वार्ड में 69 हजार की लागत से होगा विद्युतीकरण कार्य

बैतूल। बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल द्वारा अनुशंसित विद्युतीकरण कार्य के लिए 69 हजार 912 रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। जारी आदेश के अनुसार जवाहर वार्ड बैतूल गंज में स्ट्रीट लाइट के जर्जर विद्युत पोल बदलने एवं लाइन विस्तार कार्य 69 हजार 912 रुपए की लागत से किया जाएगा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने एजेंसी उप महाप्रबंधक (सं/सं) मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैतूल दक्षिण को योजना के तहत निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए है।

धर्म की रक्षा करते हुए शहीद हुए साहबजादे : बबला शुक्ला

वीर बाल दिवस के अवसर पर जिला भर में हुए कार्यक्रम

बैतूल। आज 26 दिसंबर को ही अपने धर्म की रक्षा के लिए गुरूगोविंद सिंह के साहबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेहसिंह सिर्फ 9 और 6 वर्ष की छोटी उम्र में जब बंदी बना लिए गए तब उन पर धर्म परिवर्तन के लिए बहुत दबाव डाला गया इसके बावजूद वह अपने धर्म पर डटे रहे और शहादत को स्वीकार किया। उक्त उदगार भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला ने प्रशिक्षण केन्द्र में भाजयुमो द्वारा आयोजित वीर बाल दिवस के कार्यक्रम के दौरान व्यक्त करते हुए कहा कि यह उदाहरण राष्ट्र प्रथम के संकल्प को दोहरता है इस इतिहास को सामने लाने के लिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित किया था। सिक्ख गुरूओ और उनके सामाजिक और सांस्कृतिक सदर्भ में बहुत कुछ लिखा गया है। इस गौरवशाली इतिहास से हमे प्रेरणा मिलती है। भाजयुमो जिलाध्यक्ष भास्कर मगरदे ने कहा कि असली योद्वा की पहचान ऐसे आदर्शो से होती है जो धर्म और संस्कृति के साथ वंचितो के लिए लडता है। साहेबजादों का बलिदान निस्वार्थता और त्याग का उदाहरण है। आज का यह दिन अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी मनाया जाता है शहादत पर यह परंपरा हमें धर्म के लिए लडने का साहस देती है। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, भाजयुमो जिला महामंत्री अंशुल राजपुत, प्रमेश राजपुत सहित बडी संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद रही। बैतूल गंज मंडल में विधायक हेमंत खंडेलवाल ने गंज स्थित गुरूद्वारे पहुंचकर अरदास में जिला महामंत्री सुधाकर पंवार, जिला उपाध्यक्ष रश्मि साहू, जिला मंत्री अतीत पंवार, मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, नपाध्यक्ष पार्वती बारस्कर, पंकज मिश्रा सहित नगर के गणमान्य नागरिकगण मौजूद रहे।

श्री विनायकम स्कूल के वार्षिकोत्सव 'विहान' का शुभारंभ

निःशुल्क प्लेनेटेरियम शो ने किया बच्चों को रोमांचित

बैतूल। विगत 23 वर्षों से संचालित श्री विनायकम स्कूल में वार्षिकोत्सव विहान का शुभारंभ 26 दिसंबर को हर्षोल्लास के साथ हुआ। पहले दिन की थीम बच्चों और पालकों के लिए शैक्षणिक और मनोरंजक गतिविधियों का अद्भुत संगम रही। पहले दिन की शुरुआत निःशुल्क प्लेनेटेरियम शो से हुई, जिसमें बच्चों और उनके माता-पिता ने ब्रह्माण्ड की अद्भुत यात्रा का अनुभव किया। इसके बाद खेल गतिविधियों में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वार्षिकोत्सव के पहले दिन नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा के करीब 2000 विद्यार्थियों और उनके पालकों ने निःशुल्क प्लेनेटेरियम शो का लुत्फ उठाया। इस शो में ब्रह्माण्ड के विभिन्न पहलुओं जैसे ग्रह, उपग्रह, सूर्य, सौर मंडल और डायनासोर युग की अनूठी जानकारी दी गई। इस यात्रा ने बच्चों को खगोल विज्ञान और इतिहास की अद्भुत दुनिया से रूबरू कराया। चंद्रयान मिशन और चंद्र कथाओं को सरल और रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया, जिसने बच्चों के साथ-साथ पालकों को भी मंत्रमुग्ध कर दिया। पहले दिन के कार्यक्रम में ग्रेड 3 से 8 के छात्रों के लिए कबड्डी, खो-खो, 100 मीटर रेस और रिले रेस जैसे खेल आयोजित किए गए। खेलों में बच्चों ने शारीरिक कौशल का प्रदर्शन किया, साथ ही खेल भावना का अद्भुत परिचय भी दिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि खेल एवं युवा कल्याण विभाग के समन्वयक रामनारायण शुक्ला और राधेलाल बनखेड़े मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं के लिए एकत्र 5 हजार थैला-थाली महाकुंभ रवाना

बैतूल। बैतूल ने अपनी सहृदयता का परिचय दिया है और हरित महाकुंभ में अपना थैला-थाली के माध्यम से योगदान दिया है। आरएसएस के मध्य भारत प्रांत के माध्यम से बैतूल में यह संग्रहण का काम किया गया। जिन समाजसेवियों ने इस संग्रहण की जिम्मेदारी ली थी, उन्होंने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया है, जिसकी सभी तरफ प्रशंसा हो रही है। करीब एक पखवाड़े में ही जनसहयोग से 5 हजार थैला-थाली का संग्रहण किया जाना अभूतपूर्व माना जा रहा है। इस संग्रहित थैला-थाली को पुनः पूजन कर बुधवार को महाकुंभ प्रयागराज के लिए रवाना किया गया है। सर्व प्रथम यह सभी थैला-थाली नर्मदापुरम पहुंचेगी और वहां से प्रयागराज के लिए रवाना होगी। इस मौके पर बड़ी संख्या में समाजसेवी और नागरिक मौजूद थे। सभी का कहना है कि हरित महाकुंभ ऐसा संकल्प है, जो समाज को नई दिशा देगा। धरती माता को पॉलीथीन से बचाने की दिशा में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने जनजागरण के लिए महाकुंभ के माध्यम से यह जो शुरुआत की है, वह अद्भूत विचार है। बैतूल में 15 दिनों के अंदर लोगों ने सूचना मिलने पर स्वप्रेरणा से इस महाअभियान में उत्साह के साथ अपनी सहभागिता की है। इसके लिए संग्रहणकर्ताओं द्वारा बैतूल के तमाम नागरिकों का आभार माना गया है। संग्रहणकर्ताओं ने बताया कि इस महाअभियान में मातृशक्ति ने जिस उत्साह के साथ सहभागिता की है, वह प्रशंसनीय है। संग्रहण कार्य की शुरुआत 6 दिसंबर को गंज क्षेत्र में समाजसेवी प्रमोद अग्रवाल के मार्गदर्शन में की गई थी। इसके बाद शहर के अलग-अलग क्षेत्र में संग्रहणकर्ताओं ने बैतूल के दानवीर, सहृदय नागरिक और व्यापारियों से संपर्क किया तो उन्होंने उत्साह के साथ अपना सहयोग दिया।

गौरतलब रहे कि आरएसएस की मंशा है कि प्रयागराज महाकुंभ में इस बार किसी भी स्तर पर पॉलीथिन का उपयोग ना हो। विशेषकर खाद्य सामग्री में पॉलीथिन उपयोग ना की जाएं। इसलिए महाकुंभ में आने वाले हर श्रद्धालु को भोजन के लिए थाली और सामग्री रखने के लिए थैली उपलब्ध कराई जाएं। यह थैला-थाली श्रद्धालुओं को निःशुल्क उपलब्ध हो, इसके लिए यह जन अभियान पूरे देश में चलाया जा रहा है, जिससे कि करोड़ों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त संख्या में थैला और थाली का संग्रहण किया जा सकें। इस पुण्य और जन उपयोगी कार्य में बैतूल ने भी बढ़-चढकर अपना योगदान दिया है। समाजसेवी प्रमोद अग्रवाल का कहना है कि हमारा बैतूल हमेशा से ऐसे जन उपयोगी महाअभियान में आगे आकर सहयोग करता रहा है। इस अभियान के माध्यम से बैतूल के नागरिकों ने भी महाकुंभ में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है और इसके लिए सभी बैतूलवासी साधुवाद के पात्र है।

लुक आउट नोटिस के बाद सौरभ शर्मा ने अग्रिम जमानत का आवेदन लगाया,खारिज

भोपाल। लोकायुक्त आयकर प्रवर्तन निदेशालय की कार्यवाही और गिरफ्तारी से बचने के लिए सौरभ शर्मा जो की लोकायुक्त छापे से पहले ही भोपाल से गायब था उसने लुक

आउट नोटिस जारी होने के तत्काल बाद राजधानी भोपाल के विशेष न्यायालय में अग्रिम जमानत का आवेदन लगाया है सौरभ शर्मा ने यह पूरी कवायत गिरफ्तारी से बचने के लिए की है दरअसल यदि एक बार सौरभ शर्मा की गिरफ्तारी हो जाती तो जांच एजेंसियां आसानी से उसकी जमानत नहीं होने देती और इस बात को ध्यान में रखते हुए सौरभ शर्मा ने भोपाल के विशेष न्यायाधीश राम प्रसाद मिश्र की न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन दी है सौरभ की तरफ से ग्वालियर के वकील राकेश पाराशर इस पूरे मामले में सौरभ का पक्ष न्यायालय के सामने रखेंगे कल इस पूरे मामले में भोपाल न्यायालय में सुनवाई होगी।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा की पुण्यतिथि पर

कांग्रेसजन ने किया पुण्य स्मरण

भोपाल। देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पुण्यतिथि कार्यक्रम में उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया। कांग्रेसजनों ने उनका स्मरण करते हुये बताया कि डॉ. शर्मा की भोपाल को जिला और राजधानी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री प्रशासन प्रभारी डॉ. संजय कामले की पूज्य माताजी का इंदौर में निधन होने पर कांग्रेसजनों ने दो मिनिट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारी महेन्द्र जोशी, जे.पी. धनोपिया, शैलेन्द्र पटेल, जितेन्द्र मिश्रा, प्रवीण सक्सेना, संतोष कंसाना, फरहाना खान, अभिषेक शर्मा, मुजाहिद सिद्धीकी, सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

महिला साहित्यकार सम्मेलन 5 जनवरी को

भोपाल। महिला साहित्यकार सम्मेलन 'विशंभरा' का आयोजन 5 जनवरी को एन आईटीटीटी, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित किया जा रहा है। यह सम्मेलन महिला साहित्यकारों के साहित्यिक योगदान को सम्मानित करने और नई रचनाओं के विमोचन के लिए एक मंच प्रदान करेगा।सम्मेलन में गद्य और पद्य की सभी विधाओं की रचनाओं को आमंत्रित किया गया है। साहित्य की दृष्टि से नवरी एवं उत्कृष्ट रचनाओं का सम्मान और विमोचन भी किया जाएगा।यह सम्मेलन महिला साहित्यकारों के लेखन में कोशल रचनात्मकता को बढ़ावा देने और उनके विचारों का आदान-प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इसमें भारत के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित एवं नवाचारी साहित्यकार अपने वक्तव्य के माध्यम से युवा पीढ़ी को मार्गदर्शित करेंगे कार्यक्रम पूर्व तैयारियों की बैठक में कार्यक्रम संयोजिका प्रोफेसर मनीषा बाजपेई, प्रोफेसर शशिकला, डॉ निवेदिता शर्मा, डॉ सविता सिंह भदोरिया,डॉ सत्या राठौर तथा हिंदी साहित्य लेखिका संघ की प्रदेश अध्यक्ष डॉ कुमकुम गुप्ता उपस्थित रहीं।

कपड़ा व्यापारियों के बीच पथराव

बैरागढ़। राजधानी भोपाल के व्यापारिक नगर में दो व्यापारियों के बीच पथराव हुआ। दुकान के आगे वहां खड़ा कर गाली देने को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद व्यापारिक संघ के अध्यक्ष और सभी व्यापारियों ने थाने पहुँच कर गाली-गलौज करने वाले व्यापारी के खिलाफ शिकायत दर्ज करने की मांग की। ज्ञातव्य है कि ग्राहक को बुलाने के चक्कर में आए दिन होता है व्यापारियों का ऐसा आपसी विवाद। व्यापारिक संगठनों ने विवाद करने वाले व्यापारी नरेश और उसके कर्मचारियों के विरुद्ध कारवाई करने की मांग है। गणेश टैक्सटाइल के कर्मचारियों संजू नाथ को मुंह पर लगा पत्थर, टेक्सटाइल के संचालक कमल वाधवानी को भी पत्थर लगने से घायल हो गए।

बाल साहित्यकार एवं प्रतिभा सम्मान

समारोह 28 दिसंबर को

भोपाल। बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र अपना स्थापना दिवस दुष्यंत संग्रहालय में शनिवार 28 दिसंबर 2024 को अपराह्न 3:00 बजे से मना रहा है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. अमिताभ पांडे संचालक इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय रहेंगे तथा अध्यक्षता डॉ. राघवेंद्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष बाल आयोग करेंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ. चंद्रशेखर रावत और सारस्वत अतिथि श्रीमती श्यामा गुप्ता (दर्शना) रहेंगी।

इन्हें सम्मानित किया जाएगा : डॉ रेनू शर्मा, डॉ. एस बी गुप्ता, वृंदावन मीना, डॉ रेणू श्रीवास्तव वत्सला चौबे, मधु लता शर्मा, अभिज्ञा चौकसे, देवेश सिन्हा, वृंदावन राय, बी. एल. नेमा को कृति पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा ।

एम्स भोपाल के ग्वालियर मेगा मेडिकल कैंप में 13 हजार से अधिक मरीजों का उपचार

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व और सांसद श्री भरत सिंह कुशवाह की पहल पर, एम्स भोपाल ग्वालियर में 25 से 27 दिसंबर तक तीन दिवसीय मेगा चिकित्सा शिविर का आयोजन कर रहा है। यह शिविर भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। इस मेगा मेडिकल कैंप ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का ध्यान भी आकर्षित किया है, जो स्वास्थ्य कर्मियों को प्रोत्साहित करने और उनके प्रयासों को स्वीकार करने के लिए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। 25 दिसंबर से प्रारंभ हुए इस शिविर को स्थानीय समुदाय से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। एम्स भोपाल की 160 डॉक्टरों और पैरामेडिक्स की समर्पित टीम, प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में, मरीजों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है। इस शिविर में अल्ट्रासाउंड मशीन, आंखों की जांच के लिए ओसीटी उपकरण और फाइब्रोस्कैन मशीन जैसे उन्नत चिकित्सा उपकरण उपलब्ध हैं, जो समग्र निदान और उपचार सेवाओं को सुनिश्चित कर रहे हैं। इस शिविर में 13,185 मरीज पहले दिन देखे गए, जिसमें 3,500 वरिष्ठ नागरिक (60+ आयु वर्ग), 800 बाल रोग के मरीज और 6,210 महिलाएं शामिल हैं। इस आयोजन को लेकर जबरदस्त उत्साह दिखा।

भोपाल में तीन रेपिस्ट को उम्रकैद

घर में घुसकर 15 साल की नाबालिग से किया था दुष्कर्म, वीडियो भी बनाया था

भोपाल। भोपाल में 15 साल की नाबालिग से दुष्कर्म और वीडियो शूट करने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश बैरसिया, जिला भोपाल ने तीन दोषियों को गुरुवार को अर्थदंड और उम्रकैद की सजा सुनाई है। आरोपी संकेत उर्फ शैतान सिंह लोधी, दीपक लोधी और लीलाकिशन लोधी को धारा 376 (घ) (क)भादवि में आजीवन कारावास और 5-5 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। केस में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक, बैरसिया आशीष तिवारी द्वारा पैरवी की गई। जानकारी के मुताबिक, रायसेन जिला निवासी 15 साल की पीड़िता अपनी बड़ी बहन के घर गुनगा थाना क्षेत्र में आई थी। 12 सितंबर 2021 में उसकी बहन की तबीयत खराब हो गई थी। जीजा बहन को लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे। जहां उन्हें एडमिट कर लिया गया। घर में पीड़िता और उसकी नौ साल की भांजी अकेली थी। इसी का फायदा उठाकर बहन के ससुराल के पड़ोस में रहने वाले संकेत उर्फ शैतान सिंह लोधी, दीपक लोधी और लीलाकिशन लोधी आए। गेट बजाने पर किशोरी ने गेट खोल दिया। तीनों जबरन घर में घुसे और एक कमरे में बारी-बारी से पीड़िता से ज्यादती की। इस दौरान लीलाकिशन ने उसका वीडियो भी मोबाइल से शूट किया था। पीड़िता ने मामले की शिकायत महिला थाना रायसेन में की थी, वहां पुलिस ने जीरो पर कायमी कर केस डायरी को भोपाल पुलिस को सौंप दिया था।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में हो परिवहन घोटाले की जांच : दिग्विजय

भोपाल। परिवहन घोटाले ने सियासी लय भी पकड़ ली है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने घोटाले की जांच उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में कराने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र मीडिया को दिया और प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। पत्र से कई बुनियादी सवाल खड़े हो रहे हैं। सबसे पहला सवाल कि, राज्य के विषय पर प्रधानमंत्री को क्यों पत्र लिखा गया। कांग्रेस हमेशा संघीय ढांचे पर सवाल उठाती है। राज्य की स्वायत्तता पर हमले का आरोप लगाती है, फिर राज्य के विषय पर पीएम को पत्र लिखकर क्या राज्य की स्वायत्ता को कमजोर करने का प्रयास नहीं किया गया है? हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस की निगरानी में जांच की मांग क्या लोकायुक्त की संवैधानिकता और उनके इंटेंशन पर प्रश्न चिन्ह नहीं माना जाएगा? लोकायुक्त संवैधानिक संस्था है. हाई कोर्ट के जस्टिस ही लोकायुक्त के पद पर हैं. उनकी निगरानी में ही छापा पड़ा है। लोकायुक्त की सक्रियता के परिणाम स्वरुप ही परिवहन का इतना बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। दिग्विजय सिंह जब मुख्यमंत्री थे, तब जब भी उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार के कोई आरोप लगाते थे, तब सीना ठोंक कर यही बयान आता था कि, जिसके पास भी प्रमाण है, वह लोकायुक्त में जाकर शिकायत दर्ज करा सकता है। परिवहन घोटाले के संबंध में अगर किसी के पास कोई तथ्य, दस्तावेज उपलब्ध हैं, तो यह उसकी कॉन्स्टीट्यूशनल जिम्मेदारी है कि, लोकायुक्त में जाकर उसकी शिकायत करे और प्रमाण दे। एक सवाल यह भी उठता है कि, जो जनप्रतिनिधि लगातार प्रदेश में पब्लिक से कनेक्ट रहते हैं, जिनके राजनीतिक चातुर्य पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता, ऐसे जागरूक जनप्रतिनिधियों को इतने बड़े घोटाले की जानकारी छापों के बाद मिली।

बैंक के चपरासी ने किया है 100 करोड़ का घोटाला

सिंधिया ने सीएम को लिखा पत्र, जमाकर्ताओं ने लगायी गुहार

शिवपुरी। जिले के जिला सहकारी बैंक में 100 करोड़ का घोटाला हुआ है। अब इस बैंक को बचाने के लिए केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सीएम मोहन यादव को पत्र लिखा है। सिंधिया ने बैंक को वित्तीय संकट से बचाने की मांग की है। सिंधिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर बैंक को अतिशीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए जाने की मांग की है, जिससे अमानतदारों को उनकी जमा राशि लौटाई जा सके और क्षेत्र के किसानों की लेनदेन प्रक्रिया शुरू हो सके।

सिंधिया ने अपने पत्र के साथ शिवपुरी कलेक्टर के पत्र को भी संलग्न किया है। इस पत्र में कलेक्टर ने अपनी जांच रिपोर्ट बताई है। इसमें उन्होंने लिखा है कि इस संकट को हल करने के लिए बैंक की अंशपूंजी 142.31 करोड़, ब्याज माफी योजना के तहत शेष राशि 14.46 करोड़ एवं सामान्य बैंक लिमिट के लिए 70 करोड़ की सहायता राशि प्रदान कर दी जाए तो किसानों को उनका पैसा मिल सकता है। जिनके पैसे जमा वह भटक रहे हैं इस समय जिला सहकारी बैंक में जिन जमाकर्ताओं का पैसा फंसा है, वह पैसों के लिए भटक रहे हैं। हालत यह है कि कई जमाकर्ता कलेक्टर सहित केंद्रीय मंत्री से भी गुहार लगा चुके हैं। इसके बाद अब केंद्रीय मंत्री ने बैंक की खराब हालत की ओर सीएम का ध्यान आकर्षित कराते हुए पत्र में लिखा है कि बैंक पर क्षेत्र के किसानों की गहरी निर्भरता है, विशेष रूप से खाद, बीज और कृषि आवश्यकताओं की आपूर्ति के लिए।

दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो: केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पत्र में लिखा है कि वर्तमान वित्तीय संकट ने किसानों के बीच गंभीर चिंता और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर संकट गहरा गया है। आजीविका पर भारी दबाव पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने बैंक में वित्तीय अनियमितता एवं गबन करने वाले दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

श्रमोदय विद्यालय का प्राचार्य 50 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

स्कूल मेस के पेंडिंग बिलों का भुगतान कराने के बदले मांग रहा था रिश्वत

भोपाल। भोपाल लोकायुक्त की टीम ने शासकीय श्रमोदय आवासीय विद्यालय, मुगालिया छाप, नीलबड़ के प्राचार्य विजय सिंह महोबिया को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। प्राचार्य स्कूल में संचालित मेस के पिछले दो महीने के पेंडिंग बिलों का भुगतान कराने के बदले रिश्वत की मांग कर रहे थे। इसकी शिकायत कनका फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के संचालक गौरव शर्मा ने की थी।

प्रति बिल 50,000 रुपये की डिमांड: एसपी दुर्गेश राठौर ने बताया कि शिकायतकर्ता गौरव शर्मा कनका फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के संचालक हैं, जो मुंबई के ए-104, एवरग्रीन सिटी, मीरा रोड के निवासी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विद्यालय में मेस के पेंडिंग दो महीने के बिलों के भुगतान के लिए प्रति बिल 50,000 रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी।

प्राचार्य को रंगे हाथों किया गिरफ्तार

शिकायत की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ धारा 7 पीसी एक्ट,1988 के तहत अपराध दर्ज किया गया। गुरुवार को गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी विजय सिंह महोबिया को 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। यह रकम एक बिल पास कराने के बदले ली जा रही थी।

लोकायुक्त डीजी जयदीप प्रसाद ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई दिए थे निर्देश

पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त जयदीप प्रसाद ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई किए जाने के निर्देश पर भोपाल लोकायुक्त इकाई की ट्रेप कार्यवाही कि है जिसमे शिकायत कर्ता गौरव शर्मा संचालक कनका फूड्स प्राइवेट लिमिटेड निवासी ए-104, एवरग्रीन सिटी मीरा रोड मुंबई ने शिकायत की थी कि विजय सिंह महोबिया, प्राचार्य, शासकीय श्रमोदय आवासीय विद्यालय मुगालिया छाप नीलबड़ भोपाल ने उनसे बिल के भुगतान के लिए 50,000/ रुपए की मांग की है।

11वां भोपाल विज्ञान मेला 2024

नवाचार और विज्ञान शिक्षा के महाकुंभ का आगाज आज से

भोपाल। विज्ञान भारती द्वारा मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मध्यप्रदेश शासन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग) के साथ संयुक्त रूप से जम्बूरी मैदान में 11वां भोपाल विज्ञान मेला (BVM-2024) 27 से 30 दिसंबर 2024 तक जंबुरी मैदान, भोपाल (म.प्र.) तक आयोजित होने वाला मेला विज्ञान, तकनीकी शिक्षा और नवाचार को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। इस चार दिवसीय मेले में विभिन्न कार्यक्रमों, संवाद सत्रों, वर्कशॉप और विशेषज्ञ व्याख्यानों के माध्यम से विज्ञान के प्रति जागरूकता और रुचि को बढ़ावा दिया जाएगा।

उद्घाटन समारोह 27 दिसंबर- कार्यक्रम का शुभारंभ 'विज्ञान प्रतिभा सम्मान' और 'सीधा संवाद' के साथ किया जाएगा। इसके अलावा, 'सीखो कमाओ योजना वर्कशॉप' और 'विज्ञान भारती परिचय एवं नवाचार मार्गदर्शन' जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। विज्ञान शिक्षक कार्यशाला

28 दिसंबर- शिक्षकों के लिए विशेष सत्र आयोजित होंगे, जिसमें उन्हें आधुनिक विज्ञान शिक्षण तकनीकों से अवगत कराया जाएगा।विद्यार्थी संवाद

29 दिसंबर- 'विद्यार्थी संवाद-3' और 'आईकेएस (भारतीय ज्ञान प्रणाली) पर विशेषज्ञ व्याख्यान' इस दिन का प्रमुख आकर्षण होंगे।

30 दिसंबर- इस दिन समापन समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। छात्रों में वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना एवं शिक्षकों को विज्ञान शिक्षा की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराना।

राज्यमंत्री पटेल का एकवर्षीय कार्य काल पूर्ण,छींद धाम में मना उत्सव

कार्यकर्ताओं ने उत्सव मनाकर शुभकामनाएँ दीं

उदयपुरा। मध्यप्रदेश की मोहन सरकार का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशव्यापी जनकल्याण पर्व का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के साथ मंत्रियों के कार्यकाल का भी 25 दिसम्बर को एक साल पूरा हुआ। इसी तारतम्य में उदयपुरा विधानसभा के विधायक और प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल के एक वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में गुरुवार को छींद धाम पर भाजपा कार्यकर्ता सहभोज एवं कवि सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में गुरु गोबिन्द सिंह जी के पुत्र साहिबजादा फतेह सिंह और जोरावर सिंह के बलिदान एवं भारत रत्न अटल जी के व्यक्तित्व और कृतित्व का भी स्मरण किया गया। आयोजन में राज्यमंत्री सहित क्षेत्र के हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे जिनके साथ श्री पटेल ने संवाद उपरांत भोजन भी किया। आयोजन में विभिन्न विधाओं के देशभर में लोकप्रिय कवियों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। गौरतलब है कि नरेन्द्र शिवाजी पटेल को 25 सितंबर 2023 को पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर उदयपुरा विधानसभा से भाजपा का प्रत्याशी बनाया गया था। विधानसभा चुनाव में जीत के उपरांत 25 दिसंबर 2023 को उन्होंने प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की थी। इन दोनों दिनों को राज्यमंत्री अपने राजनीतिक जीवन का सुखद संयोग और सौभाग्य मानते हैं।

छींद वालों की कृपा से ही सेवा का अवसर पाया है : राज्यमंत्री

कार्यक्रम में पहुँचे राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने सर्वप्रथम छींद धाम पहुँचकर छींद वाले दादा श्री हनुमान जी महाराज का आशीर्वाद ग्रहण किया। तदुपरांत उन्होंने कार्यक्रम में सम्मिलित भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से भेंट की। राज्यमंत्री ने कहा कि छींद वालों की कृपा से ही सेवा का अवसर पाया है, उनके आशीर्वाद से ही यह दायित्व निभाने की शक्ति मिलती है।

साहिबजादों के बलिदान को नमन और अटल जी को किया याद

एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित यह कार्यक्रम वीर बाल दिवस और अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100वीं जन्मजयंती को समर्पित रहा। कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने साहिबजादों और अटल जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि दोनों अपने क्षेत्र की महान विभूति हैं।

केन-बेतवा लिंक परियोजना में बुंदेलखंड के साथ छवाला : जीतू पटवारी

भूमि पूजन के बीस साल बाद उद्घाटन, बुंदेलखंड की तस्वीर बदलने का ढिंढोरा पीट रही है भाजपा

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा लगातार झूठ का ढिंढोरा पीटा जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजयेपी द्वारा 20 साल पहले केन-बेतवा परियोजना का भूमिपूजन किया गया था और आज 20 साल बीत जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस परियोजना का उद्घाटन कर इस योजना का जिस तरह ढ़िढोरा पीटा गया कि बुंदेलखंड की तस्वीर बदल जायेगी यह बुंदेलखंड की जनता के साथएक बड़ा राजनैतिक छलावा है। श्री पटवारी ने कहा कि बुंदेलखंड का जो वन अभयारण है और बुंदेलखंड का पन्ना जो कि रमणीय पर्यटक स्थल है, उसका 10 प्रतिषत हिस्सा इस परियोजना के कारण डूब में जा रहा है जो कि वन अभयारण का केंद्रीय हिस्सा है और इस योजना के तहत लगभग 56 वर्ग किलोमीटर का दायरा आता है जिसमें लगभग 23 लाख वृक्षों को काटा जायेगा। यह बड़ी बात है कि पन्ना वन अभयारण को विक्षित रूप लेने में 43 साल लग गये और आज यह श्रेष्ठतम टाईगर रिजर्व अभयारण है, जिसमें 110 शेर, 573 तेंदुये, और अनगिनत छोटे बड़े वन्य जीव है जो वन अभयारण के आकषर्ण का केंद्र है। इतना ही नहीं यह अभयारण पूरी दुनिया के पर्यटकों का आकर्षण का केंद्र है। दुनिया भर के पर्यटक चाहे देष के हो या अर्तराष्ट्रीय स्तर के हों खजुराहो जाते हैं, वे पन्ना अभयारण अवष्य जाते हैं और वहां के आकर्षित करने वाले वन्य जीवों और प्रकृति का अपने दिलों में संजोते हैं। अभयारण क्षेत्र का केंद्रीय हिस्सा डूब में जाने के कारण 23 लाख वृक्ष जलसमाधी ले जायेंगे और पूरे अभयारण सहित बुंदेलखंड के पन्ना अभयारण को अपूर्णीय क्षति पहुंचेगी। श्री पटवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा बुंदेलखंड की तस्वीर बदल जायेगी जैसा ढिंढोरा पीटे जाने में जरा भी सच्चाई नहीं है। वस्तुतः बुंदेलखंड तो डूब का क्षेत्र है, सच्चाई यह है कि सिंचाई का लाभ उत्तरप्रदेश को मिलेगा। वर्तमान में मप्र में जिन सिंचाई परियोजनाओं पर काम चल रहा है, उनको पूरा करने में 80 हजार करोड़ का बजट सरकार को चाहिए, जो योजनाएं 5 साल में पूरी होना था, उन्हें 15-15 साल हो गये हैं, लेकिन वे आज भी पूरी नहीं हो पाई हैं। जिन योजनाओं पर बजट का प्रावधान था, उक्त राषि से तीन-तीन गुना अधिक राशि खर्च होने के बाद भी योजनाएं पूरी नहीं हुई है। इतना ही नहीं जिस हिसाब से प्रदेश में योजनाओं को लेकर निर्माण कार्य चल रहे हैं, उससे लगता है कि केन-बेतवा लिंक परियोजना 100 साल में भी पूरी नहीं हो पायेगी और इससे बुंदेलखंड का कोई लाभ भी नहीं होना है। श्री पटवारी ने कहा कि 543 वर्ग किलोमीटर वाले इस अभयारण में 40 सालों में रह रहे लोगों के पुनर्वास का कोई रोडमेप तैयार नहीं हुआ है, जिसके चलते एक नई समस्या उत्पन्न हो रही है। बिना सोचे समझे परियोजना का उद्घाटन कर दिया गया, सरकार के पास इस समस्या के निदान के लिए कोई रोडमेप नहीं है। बांध बनने से जहां गांवों के विस्थापन की समस्या आयेगी, वहीं असंख्य वन जीवों के विस्थापन की भी बड़ी समस्या आयेगी, जिसकी कोई योजना सरकार के पास नहीं है। पटवारी ने कहा कि बुंदेलखंड के पन्ना अभयारण वाले हिस्से में जहां केन नदी अनेक नदियों से मिलकर बड़ा रूप लेती है, अमानगंज से ललितपुर तक के क्षेत्र में वहां बाढ़ की प्रमुख समस्या है। वर्ष 2005 में आयी बाढ़ ने हजारों गांवों को तहस-नहस कर दिया था। केन-बेतवा परियोजना के तहत बांध बनने से हजारों गांवों में बाढ़ की स्थिति बनने से जो हालात पैदा होंगे, उसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

तंबाकू नशा-मुक्ति के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाएं : एमडी सिडाना

- युवाओं में तंबाकू सेवन की प्रवृत्ति चिंताजनक, समन्वित प्रयास से निकालेंगे हल
- राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम में राज्य स्तरीय स्मॉल वर्किंग ग्रुप की हुई बैठक

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की प्रबंध संचालक डॉ. सलोनी सिडाना ने कहा कि युवाओं में तंबाकू सेवन की प्रवृत्ति एक गंभीर समस्या है। बच्चों को बचपन में जो संस्कार मिलते हैं, वे जीवनभर उनके साथ रहते हैं। शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता अभियान चलाना तंबाकू नियंत्रण के लिए अत्यंत आवश्यक है। डॉ. सिडाना ने कहा कि एनएचएम, 'उमंग कार्यक्रम' में स्कूलों में तंबाकू नियंत्रण के लिए शिक्षा विभाग के साथ मिलकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाएगा। एनएचएम कार्यालय भोपाल में गुरूवार को राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत राज्य स्तरीय स्मॉल वर्किंग ग्रुप की बैठक में संचालित गतिविधियों, वर्तमान स्थिति और भविष्य की कार्य योजना पर मंथन किया गया। एम.डी. डॉ. सिडाना ने निर्देश दिए कि (सिगरेट्स एंड अदर टोबैको प्रोडक्ट्स एक्ट) और (टोबैको-फ्री एजूकेशनल इंस्टीट्यूशंस) गाइडलाइन्स का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिये विभागीय समन्वय से प्रयास किये जाए। उन्होंने कहा कि तंबाकू की लत छुड़ाने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया जाए और राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नीति के अनुरूप नशा मुक्ति अभियान में तंबाकू सेवन करने वालों को भी सहयोग प्रदान किया जाये। आयुष विभाग के वेलनेस कार्यक्रम से भी तंबाकू सेवन करने वालों को मार्गदर्शन प्रदान किया जाये। वेलनेस गतिविधियाँ योग, ध्यान आदि मानसिक रूप से मजबूत बनाने और तंबाकू सेवन की लत से मुक्ति दिलाने में सहयोगी होंगी।

एमडी एनएचएम ने जिलों में टीबी नियंत्रण सेल को तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रमों से समन्वय करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही नेशनल ओरल हैल्थ प्रोग्राम और राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तंबाकू सेवन करने वालों की प्राथमिकता से स्क्रीनिंग करने को कहा। वरिष्ठ संयुक्त संचालक डॉ. प्रज्ञा तिवारी, मध्यप्रदेश वालिंटियरी हेल्थ एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक श्री मुकेश कुमार सिन्हा सहित विभिन्न विभागों के राज्य स्तरीय स्मॉल वर्किंग ग्रुप के अधिकारी उपस्थित थे।

भोजपुर रोड के 6 किमी में 200 पेड़ कटना शुरू

50 करोड़ से फोरलेन बनेगा; मौजूदा सड़क का ही मटेरियल होगा रियूज

भोपाल (नप्र)। भोपाल की 11 मील से बंगरसिया तक (भोजपुर रोड) 6 किमी सड़क 50 करोड़ रुपए से टू-लेन से फोर-लेन में बदलेगी। इससे पहले 200 पेड़ काटे जा रहे हैं। इनमें से ज्यादातर पेड़ यूकेलिप्टस के हैं। पेड़ों की कटाई का काम शुरू हो चुका है। पीडब्ल्यूडी अफसरों के मुताबिक, जनवरी में सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा और अगले डेढ़ साल में भोजपुर रोड की तस्वीर पूरी तरह बदल जाएगी। यह सड़क प्रदेश में एक मॉडल बनेगी। इस सड़क में एफडीआर (फुल डेप्थ रिक्लेमेशन) टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा। इसका मतलब है कि मौजूदा सड़क के मटेरियल को रीयूज किया जाएगा।

अभी सड़क की स्थिति खराब, परेशान होते हैं श्रद्धालु

वर्तमान में 11 मील से बंगरसिया तक की सड़क की हालत काफी खराब है। यह सड़क धार्मिक नगरी भोजपुर को जोड़ती है। हर रोज हजारों लोग इस खराब सड़क से गुजरने के कारण परेशान होते हैं। भोजपुर में दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग है। यहां हर साल भोजपुर महोत्सव आयोजित होता है, जिसमें देश-विदेश के कवि, साहित्यकार और टीवी-फिल्म कलाकार शामिल होते हैं। हालांकि, 6 किमी लंबी

सड़क के गड्ढे उन्हें परेशान कर देते हैं। यही समस्या श्रद्धालुओं के साथ भी होती है।

कई जिलों का रास्ता भी

11 मील से बंगरसिया तक सड़क बनने से रायसेन, विदिशा, बैतूल समेत कई जिलों के लोगों को भी बड़ी राहत मिलेगी।

टू लेन सड़क फोरलेन होगी

पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर संजय मस्के ने बताया कि भोपाल के 11 मील से बंगरसिया तक फोर-लेन सड़क बना रहे हैं। इसमें नई एफडीआर तकनीक का उपयोग किया जाएगा। सड़क तोड़ने से जो भी मटेरियल निकलेगा, उसे रीयूज किया जाएगा। यह प्रदेश में एक मॉडल रोड बनेगी। पेड़ काटने का काम शुरू हो गया है। जैसे ही यह काम पूरा होगा, सड़क निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

पेड़ के बदले चुकाए 80 लाख रुपए

6 किलोमीटर में करीब 200 पेड़ काटे जा रहे हैं, जिनमें ज्यादातर यूकेलिप्टस के पेड़ हैं। बदले में पीडब्ल्यूडी ने वन विभाग को 80 लाख रुपए चुकाए हैं। करीब एक साल से अनुमति नहीं मिलने के कारण मामला अटका हुआ था, लेकिन दिसंबर में अनुमति मिलने के बाद काम शुरू कर दिया गया है।

यह है एफडीआर टेक्नोलॉजी

फुल डेप्थ रिक्लेमेशन (एफडीआर) एक रिसाइक्लिंग पद्धति है, जिसमें कम संसाधनों में टिकाऊ सड़कें बनाई जाती हैं। खराब हो चुकी पक्की सड़क को उखाड़कर उससे निकले मटेरियल में केमिकल मिलाया जाता है, जिससे नया मटेरियल तैयार किया जाता है। इसे फिर सड़क निर्माण में उपयोग किया जाता है। इससे लागत भी कम आती है।

आईसीएआई की सेंट्रल कमेटी में भोपाल के अभय छाजेड़ निर्वाचित

लगातार दूसरी बार चुने गए; 7 राज्यों के सदस्यों ने की वोटिंग

भोपाल (नप्र)। चार्टर्ड अकाउंटेंट की शीर्ष गवर्निंग बॉडी दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की सेंट्रल कमेटी के चुनाव में अभय छाजेड़ फिर से सेंट्रल रीजनल काउंसिल के सदस्य चुने गए हैं। सेंट्रल रीजन में एमपी, यूपी, राजस्थान, बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और झारखंड आते हैं। एमपी (भोपाल) से प्रत्याशी अभय छाजेड़ ने सेंट्रल काउंसिल के चुनाव में तीसरी पोजीशन पर जीत हासिल की है। इसके पहले भी वे इस पद पर रहे हैं। लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की है।आईसीएआई के सेंट्रल रीजन में कुल 75918 वोटर्स थे। इनमें से 32682 ने अपना वोट कास्ट किया। इसमें पोस्टल वोट भी शामिल है। वैलिड मतपत्र 31830 रहे। वहीं मध्य प्रदेश में टोटल 11425 वोट थे। उसमें से 5718 लोगों ने मतदान किया। जीत के लिए जो कोटा कैलकुलेट हुआ है वह सेंट्रल काउंसिल के लिए 4547.14 रहा। रीजनल काउंसिल के लिए 2446.08 का कोटा रहा। मतगणना कानपुर में 19 से 23 दिसंबर के बीच हुई। भोपाल आने पर छाजेड़ का आईसीएआई के एमपी नगर जोन-2 स्थित कार्यालय पर स्वागत किया गया।

सीएम ने भारत भवन में मनाया वीर बालक दिवस

कहा- बालकों ने पिता की गौरवशाली परंपरा निभाई, संस्कृति मंत्री ने गाया गीत

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत भवन पहुंचकर गुरु गोविंद सिंह के वीर बालकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा, 'गुरु गोविंद सिंह के बालकों ने अपने पिता और गौरवशाली परंपरा का पालन करते हुए बलिदान दिया।' मुख्यमंत्री ने बताया कि 2022 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की परंपरा शुरू की। कार्यक्रम में उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी भी उपस्थित थे।

मंत्री ने गीत सुनाया

संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने वीर बाल दिवस पर गुरु गोविंद सिंह के वीर बालकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा- इन वीर बालकों ने देश, धर्म और समाज की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। मंत्री ने कहा कि देश में ऐसे बालकों की जरूरत है, जो वीर बालकों की तरह पराक्रम दिखा सकें। उनकी कहानियां सुनाने से बच्चों में वीरता और साहस की भावना जागृत होगी। उन्होंने यह गीत भी गाया-हमें निज देश प्यारा है।हमें निज धर्म प्यारा है। पिता दशमेश प्यारा है। हमें गुरु ग्रंथ प्यारा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीमती वाजपेयी के निधन पर दुख व्यक्त किया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री बालमुकुंद भारती की धर्मपत्नी श्रीमती सविता वाजपेयी के निधन पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीमती वाजपेयी ने सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीमती वाजपेयी की आत्मा की शांति और परिजन को यह दुख सहन करने की सामर्थ्य देने की प्रार्थना ईश्वर से की है।

भोपाल-इंदौर समेत आधे एमपी में कोहरा

मालवा-निमाड़ के 10 जिलों में बारिश का अलर्ट आज से पूरे प्रदेश में ओले-पानी का स्ट्रॉन्ग सिस्टम

भोपाल (नप्र)। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के एक्टिव होने से मध्यप्रदेश का मौसम फिर बदला है। रात के टेम्परेचर में 4 से 5 डिग्री की बढ़ोतरी और दिन में गिरावट हुई है जबकि मावठा भी गिर रहा है। 28 दिसंबर तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। सुबह भोपाल, इंदौर समेत आधे एमपी में कोहरा छाया रहा। मौसम में ठंडक है। वहीं, मालवा-निमाड़ यानी इंदौर-उज्जैन संभाग के 10 जिलों में बारिश का भी अलर्ट है।

आज से ओले-बारिश, तेज हवा चलेगी

27 दिसंबर से पूरे प्रदेश में ओले-बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम रहेगा। आधे से ज्यादा जिलों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। 11 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट है। इससे पहले बुधवार को पूरे प्रदेश में मौसम बदला रहा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य जिलों में बादल छाए रहे। इस वजह से ठंड बढ़ गई। भोपाल में पारा 22.5 डिग्री रहा। इंदौर में दिन का तापमान 24.3 डिग्री और रात का तापमान 16.9 डिग्री

सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस महीने यह पहला मौका है, जब रात का तापमान सामान्य से 7 डिग्री ज्यादा रहा। अभी दिन और रात के तापमान में 8 डिग्री सेल्सियस का अंतर है। ग्वालियर में 21.8 डिग्री, गुना में 22 डिग्री, नौगांव में 22.5 डिग्री, टीकमगढ़ में 21.5 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, खजुराहो में 23.2 डिग्री, रीवा-सतना में 23.8 डिग्री, रायसेन, शिवपुरी-रतलाम में 23 डिग्री और उज्जैन में पारा 23.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इंदौर में 24.3 डिग्री और जबलपुर में पारा 27.4 डिग्री रहा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया-अभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। वहीं, बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) भी सक्रिय है। 26 दिसंबर की रात में एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। इस वजह से प्रदेश में स्ट्रॉन्ग सिस्टम बनेगा। 28 दिसंबर तक इसका असर बना रहेगा।

चीता ने श्योपुर शहर के नजदीक जमाया डेरा

रात में फिर सड़क पर दौड़ता नजर आया, दहशत में लोग

श्योपुर (नप्र)। श्योपुर, 5 दिन पहले कूनो नेशनल पार्क से निकलकर शहरी इलाके में पहुंचा चीता गुरुवार को भी कूनो वापस वापस नहीं लौटा है। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात उसकी लोकेशन जिला जेल के आसपास ढेगदा और कलारना गांव के बीच मिली है। कूनो नेशनल पार्क प्रबंधन और वन विभाग का दावा है कि चीता पर उनकी टीम नजर रखे हुए है। चीता वायु पिछले 5 दिन से शहर के आसपास घूम रहा है। बुधवार की रात इस शहर की सड़कों पर गाड़ियों के आगे दौड़ता दिखा था। इसके बाद वह जंगल की ओर चला गया था। गुरुवार को एक बार फिर से वह शहर के आसपास दिखाई दिया है। शहर सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में दहशत का माहौल है। वीर सावरकर स्टेडियम के सामने की जिन चाय नाश्ते की दुकानों पर पहले रात 12 बजे तक लोगों की भीड़ लगी रहती थी वहां चीता देखे जाने के बाद से अब रात 8 से 9 बजे सन्नाटा पसर जाता है। वन विभाग का अमला चीते के वापस कूनो लौटने का इंतजार कर रहा है। शहर के होटल पाम के आसपास के रहीसी इलाके से निकलते हुए इस चीते के सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हो रहे हैं। शहर के वीर सावरकर स्टेडियम के पास रहने वाले हेमंत मुद्गल बताते हैं कि, जब से चीता को सड़क पर टहलते हुए देखा गया है। आसपास के घरों में लोग दहशत में है। लोगों को डर लग रहा है कि कहीं चीता किसी पर अटैक नहीं कर दे।

रात में सड़क तक पहुंचा चीता

कूनो नेशनल पार्क से निकलकर चीता वायु मंगलवार रात करीब 2 :30 बजे श्योपुर की सड़कों पर चहलकदमी

करता दिखा था। यह जानकारी जैसे ही कोतवाली थाने के गश्ती दल को लगी, उनकी गाड़ी पीछे लग गई। दावा किया गया कि चीता के ईको सेंटर से आगे जंगल में घुसने तक उसके पीछे लगी रही। हालांकि, बुधवार देर रात को चीता फिर शहर में दिखा। बता दें कि चीता वायु 21 दिसंबर को श्योपुर की तरफ आया। इसके बाद सीएम राइज स्कूल के पीछे नदी किनारे चल रहे क्रेशर के पास टहलता दिखाई दिया। इसके बाद चीते ने 3 दिन तक यहीं पर ठिकाना बनाया।

बुरहानपुर में आदिवासी समाज का अंतर्जातीय विवाह रोकने का फैसला

थ्री-डी पर काम कर दहेज, दारू और डीजे जैसी सामाजिक कुरीतियों पर भी करेंगे नियंत्रण

बुरहानपुर (नप्र)। बुरहानपुर जिले के आदिवासी समाज ने अंतर्जातीय विवाह रोकने का निर्णय लिया है। इसके अलावा थ्री-डी यानी दहेज, दारू और डीजे पर भी नियंत्रण लगाया जाएगा। रेणूका स्थित कृषि उपज मंडी में बैठक के दौरान यह फैसला लिया गया। इसमें भील, भीलाला बारेला, कोटवाल, मानकर समाज के सदस्य शामिल हुए। बैठक में समाज की कुरीतियों को खत्म करने और दहेज, दारू और डीजे के उपयोग को कम करने को लेकर फैसला हुआ। 12 फरवरी को संत रविदास जयंती के दिन आदिवासी समाज का महा सम्मेलन होगा, जिसमें समाज की कुरीतियों पर चर्चा की जाएगी। सामाजिक कार्यकर्ता लक्ष्मी सोलंकी ने बताया कि हम दहेज परंपरा की जगह ग्राम सभा का कानून लागू करना चाहते हैं। जयस कार्यकारी जिलाध्यक्ष विजय धारवे ने कहा कि कोई आदिवासी समाज की लड़कियों से शादी करता है, तो वह आरक्षण का फायदा उठाता है। उनके नाम पर जमीन लेता है। एक तरफ तो सरकार अंतर्जातीय विवाह को बढ़ावा देने के लिए ढाई लाख रुपए और पुलिस प्रोटेक्शन दे रही है। लेकिन इससे आदिवासियों के अधिकारों का हनन हो रहा है। अगर कोई अंतर्जातीय विवाह करता है, तो उसे आरक्षण

का फायदा नहीं मिलना चाहिए। लड़की का जाति प्रमाण पत्र रद्द कर दिया जाना चाहिए। बैठक में श्री-डी पर काम करके समाज से दहेज, दारू और डीजे पर रोक लगाने का फैसला लिया।

बैठक में यह मुद्दे भी रखे गए

बैठक में समाज के कई मुद्दों पर बात हुई। यह फैसला लिया गया कि आदिवासी समाज की लड़की अगर किसी गैर-आदिवासी समाज के लड़के से शादी करती है, तो आदिवासी समाज सरकार से उसके आदिवासी समाज के अधिकार खत्म करने की मांग करेगा। साथ ही ऐसी व्यवस्था कि जाएगी कि वह आरक्षण का दुरुपयोग न कर सके। जिले में करीब 2.50 लाख आदिवासी रहते हैं। इसके बावजूद आदिवासी समाज के नाम पर थोड़ी-बहुत जमीन है। समाज की अपनी कोई धर्मशाला भी नहीं है, इसलिए धर्मशाला की मांग का सुझाव भी रखा गया। पूरी तरह से नशाबंदी करने पर भी चर्चा हुई।

चार से पांच लाख दहेज मांग रहे लोग: समाज के लोगों के मुताबिक, आदिवासी समाज में दहेज लड़के के परिवार को देना होता है। आजकल चार से पांच लाख रूपए तक भी दहेज मांगा जाने लगा है। इसके कारण पलायन भी हो रहा है। कई बार जमीन गिरवी रखकर, बेचकर भी शादियां हो रही हैं, इसलिए अब समाज इन परंपराओं पर रोक लगाने की कोशिश कर रहा है।

श्रीमती सविता वाजपेई का निधन

भोपाल। प्रख्यात समाजवादी नेता, पूर्व मंत्री श्रीमती सविता बाजपेई का गुरूवार तड़के 4 बजे निधन हो गया। वरिष्ठ पत्रकार बालमुकुंद भारती की धर्मपत्नी 87 वर्षीय श्रीमती वाजपेई पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रही थी तथा स्थानीय अस्पताल में भर्ती थीं। वे भोपाल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.श्रद्धा अग्रवाल एवं श्रीमती निष्ठा दुबे की मां थीं। श्रीमती वाजपेई का अंतिम संस्कार अपरान्ह 3 बजे भदभदा विश्राम घाट पर किया गया।

श्रीमती सविता बाजपेई 1977 में सीहोर से विधायक चुनी गई थी और जनता पार्टी के 3 साल के कार्यकाल में मंत्री रही। वो इमर्जेंसी में 18 महीने मीसाबंदी भी रहीं। श्रीमती वाजपेई 1972- 77 तक प्रोफेसर्स कॉलोनी के बच्चों में 'आंटी' के रूप में प्रसिद्ध थीं। उनके निधन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित अनेक नेताओं व गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धांजलि दी है।

भदभदा विश्रामघाट पर हुआ अंतिम संस्कार

पूर्व मंत्री एवं प्रख्यात समाजवादी नेता श्रीमती सविता वाजपेई का अंतिम संस्कार आज भदभदा विश्राम घाट पर संपन्न हुआ। अंतिम संस्कार में सर्व श्री राम प्रकाश त्रिपाठी, राजेंद्र कोठारी,

बादल सरोज , सप्रे संग्रहालय के संस्थापक श्री विजय दत्त श्रीधर, वरिष्ठ पत्रकार सर्व श्री एनके सिंह , अरुण पटेल, जनसंपर्क विभाग के पूर्व संयुक्त संचालक प्रलय श्रीवास्तव सहित प्रोफेसर्स कॉलोनी के निवासी, चिकित्सक, पत्रकार, शासकीय अधिकारी आदि उपस्थित रहे। श्रीमती वाजपेई को मुखाग्नि उनके पति वरिष्ठ पत्रकार श्री बाल मुकुंद भारती ने दी । श्रीमती सविता वाजपेई के भतीजे दतिया के विधायक श्री राजेंद्र भारती भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए और उन्होंने श्रीमती वाजपेई को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।